mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-54 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

24 फरवरी 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

युजवेंद्र और धनाश्री...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने अवैध विदेशी नागरिकों के निर्वासन को बताया सही कदम

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध विदेशी नागरिकों के निर्वासन पर बड़ा बयान दिया है। अपने फैसले को सही ठहराते हुए ट्रंप ने कहा है कि उनका प्रशासन भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए धोखेबाजों, ठगों और 'डीप स्टेट' नौकरशाहों (बाहरी ताकतें जो सरकार के निर्णयों को प्रभावित कर सकती हैं) को घर भेज रहा है। ट्रंप ने

अवैध प्रवासियों के बड़े पैमाने पर निर्वासन को अपनी प्रमुख नीति बना लिया है। वाशिंगटन के बाहर 'कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस' (सीपीएसी) को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, धोखेबाजों, झूठों, बेईमानों, वैश्विकतावादियों और 'डीप स्टेट' नौकरशाहों को बाहर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, अवैध विदेशी अपराधियों को घर भेजा जा रहा है। हम भ्रष्टाचार को खत्म कर रहे हैं और लोगों का शासन बहाल कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पदभार संभालने के बाद से ही अमेरिकी आव्रजन प्रणाली के कुछ हिस्सों में आमूलचूल परिवर्तन करने का काम शुरू कर दिया है तथा बड़े पैमाने पर निर्वासन और गिरफ्तारियों का आश्वासन किया है। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि तीन फरवरी तक उसके एजेंटों ने 8,768 लोगों को गिरफ्तार किया था।

इजरायली सेना ने वेस्ट बैंक को लेकर उठाया बड़ा कदम

इस्लामाबाद (एजेंसी)। तेल अवीव- इजरायल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने रविवार को कहा कि उन्होंने सेना को निर्देश दिया है कि वह अभी एक साल तक वेस्ट बैंक के कुछ शहरी शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए तैयार रहे। काट्ज की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इजरायल फलस्तीनी क्षेत्र में आक्रमण तेज कर रहा है और गाजा युद्ध को रोकने

वाला संघर्ष विराम अब भी कायम है। सेना ने रविवार को कहा कि वह वेस्ट बैंक के अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी तेज कर रही है और आतंकवादियों के गढ़ जेनिन में टैंक भेज रही है। संघर्ष विराम समझौते के दो दिन बाद 21 जनवरी को इजरायल ने उत्तरी वेस्ट बैंक पर आक्रमण शुरू किया था। इजरायल-हमास युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक में हिंसा बढ़ गई है। वेस्ट बैंक से होने वाले फलस्तीनी हमलों में भी वृद्धि हुई है और बृहस्पतिवार देर रात इजरायल में तीन खाली बसों में विस्फोट हुए, जिसे पुलिस एक संदिग्ध आतंकवादी हमला मान रही है। इस बीच यहां यह भी बता दें कि, इजरायल ने कहा है कि सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि गाजा में बंधक बनाकर रखे गए और लोगों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती। इजरायल ने यह भी कहा है कि हमास बंधकों को अपमानजनक तरीके से सौंपना बंद करें।

धुएं की लपटें देख बस यात्रियों में मची चीख पुकार, दरवाजा नहीं खुला तो खिड़कियों से कूदे

कटक (एजेंसी)। ओडिशा के कटक के जगतपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक भीषण हादसा हो गया। एक बस में अचानक आग लग गई और तेज धुआं उठने लगा। यह घटना बीरूपा बैराज के पास हुई, जब बस चौद्वार के अग्राहता से भुवनेश्वर जा रही थी। यात्रियों ने जैसे ही आग और धुएं की लपटें बस में देखीं, वे घबराकर बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। धुएं की लपटें देखने के बाद बस यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। वो बस से बाहर निकलने के लिए शोर मचाने लगे, लेकिन समस्या यह थी कि बस के दरवाजे अपने आप नहीं खुले, जाम हो गए। इसके चलते कुछ देर तक यात्री बस में फंसे रहे और उनका निकलना मुश्किल हो गया। यात्रियों की आवाजें सुनकर और इस मंजर को देख आस-पास के लोग सहायता के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने बस की खिड़कियां तोड़कर सभी यात्रियों को बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सीआरयूटी की एक तकनीकी टीम भी इस घटना की गहनता से जांच कर रही है। बस की खिड़कियों से बाहर निकलने के बाद यात्री परेशान नजर आए। बस की सुरक्षा मानकों को लेकर यात्रियों की चिंता साफ नजर आ रही थी। वहीं, इस घटना में अब तक किसी भी यात्री की जान जाने की खबर नहीं है। घटनास्थल पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

इंस्टा और एक्स पर साझा करेंगी अपने अनुभव

पीएम मोदी का सोशल मीडिया अकाउंट चलाएंगी महिलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया अकाउंट अब महिलाएं चलाएंगी। पीएम मोदी ने खुद इसका ऐलान किया है। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट, जिसमें एक्स और इंस्टाग्राम भी शामिल हैं। इन दोनों सोशल मीडिया अकाउंट को एक दिन के लिए प्रेरक महिलाओं के एक चुनिंदा समूह को सौंप देंगे। इस दौरान ये महिलाएं अपने काम और अनुभवों को अपने देशवासियों के साथ साझा कर सकेंगी।

नारी शक्ति को समर्पित रहेगा पीएम मोदी का अकाउंट: मन की बात के 119वें एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा, इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं जो हमारी नारी शक्ति को समर्पित होगी। इस खास मौके पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे एक्स और इंस्टाग्राम को एक दिन के लिए देश की कुछ प्रेरक महिलाओं को सौंपने

जा रहा हूं। ऐसी महिलाओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में सफलता हासिल की है, कुछ नया किया है और अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है। 8 मार्च को वे अपने काम और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी।

नमो एप के जरिए लोगों को किया आमंत्रित: इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा, सोशल मीडिया का प्लेटफॉर्म का मंच भले ही मेरा हो, लेकिन वहां उनके अनुभवों, चुनौतियों और उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। पीएम मोदी ने महिलाओं को नमो ऐप के जरिए इस खास पहल में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। उनसे अपने संदेशों को वैश्विक स्तर पर फैलाने का आग्रह किया है।

महिलाएं दुनिया तक पहुंचाएं अपना संदेश- पीएम मोदी: पीएम मोदी ने कहा, अगर आप चाहते हैं कि यह अवसर आपका हो, तो नमो ऐप पर बनाए गए विशेष मंच के जरिए इस प्रयोग का हिस्सा बनें और मेरे एक्स और इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए अपना संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचाएं। इस महिला दिवस पर आइए हम महिलाओं की अदम्य शक्ति का जश्न मनाएं और उसका सम्मान करें।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भूकंप के झटके किए गए महसूस

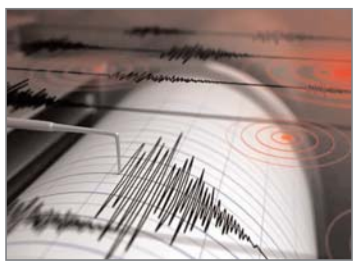

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके मंडी जिले के कई हिस्सों में महसूस किए गए। भूकंप सुबह 8ः42 बजे आया और इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.7 मापी गई। भूकंप का केंद्र मंडी जिले के सुंदरनगर क्षेत्र के किआर्गी गांव के पास था, जो 31.48 डिग्री अक्षांश और 76.95 डिग्री देशांतर पर स्थित है। अधिकारियों के अनुसार, भूकंप की गहराई लगभग सात किलोमीटर थी। भकंप के इस झटके में किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह भूकंप मंडी जिले के भूकंपीय क्षेत्र 5 में आया, जो एक उच्च जोखिम वाला क्षेत्र माना जाता है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश का मंडी जिला भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में आता है, जहां अक्सर हल्के और मध्यम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। हालांकि, इस बार भूकंप की तीव्रता बहुत ज्यादा नहीं थी, फिर भी लोग दहशत में आ गए।

'फिल्मों में मिलेगा काम, बन जाएगी हिरोइन'

झांसा देकर महिला से सिंगापुर में किया गया दुष्कर्म

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में फिल्म उद्योग में काम दिलाने का झांसा देकर 34 वर्षीय महिला से कई बार बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य महिला, उसके पति और उसकी बेटी को भी पीड़िता को धमकाने और ब्लैकमेल करने के आरोप में इस मामले में आरोपी बनाया गया है। पीड़िता अनुसूचित जाति से है। ठाणे शहर के माझीवाडा क्षेत्र की रहने वाली है। इस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। कपूरबावड़ी पुलिस थाना के एक अधिकारी ने कहा कि आरोपी महिला की पीड़िता से करीब तीन साल पहले मुलाकात हुई थी। उसने फिल्म उद्योग के ऊंचे पदों पर बैठे लोगों से संपर्क होने का दावा किया था। इस महिला ने पीड़िता को बड़ी हिरोइन बनाने का वादा किया और उसे सिंगापुर ले गई। जहां उसने पीड़िता को एक व्यक्ति से मिलवाया। एक अधिकारी ने कहा कि इसके बाद उस व्यक्ति ने पीड़िता को सिंगापुर स्थित अपने घर बुलाकर उसे एक पेय पदार्थ पिलाया और वहां उससे कथित तौर पर दुष्कर्म किया। मुंबई और अन्य स्थानों के होटलों में भी उसने उसके साथ कथित तौर पर कई बार दुष्कर्म किया। पुलिस ने कहा कि आरोपी महिला ने पीड़िता का उस व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक स्थितियों में वीडियो बनाया और उसे ब्लैकमेल करने लगी। आरोपी महिला, उसका पति और उसकी बेटी पीड़िता को बार-बार कॉल कर धमकाने लगे और गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। अधिकारी ने कहा कि आरोपियों ने पीड़िता को जातिसूचक शब्द भी कहे। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म, आपराधिक धमकी और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

दिल्ली विधानसभा का सत्र सोमवार से

उससे पहले सीएम रेखा गुप्ता ने कर दीं ये बड़ी घोषणाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 2025 के विधानसभा चुनावों के बाद दिल्ली सरकार का पहला सत्र सोमवार से शुरू होगा जो तीन दिन का होगा। इसे लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कल दिल्ली सरकार का पहला सदन और पहला दिन होगा, जिसमें सभी माननीय विधायक शपथ लेंगे। उन्होंने बताया कि विधानसभा में पहले दिन स्पीकर और डिप्टी स्पीकर चुने जाएंगे। इसके साथ ही वो सारे काम जो दिल्ली की जनता के हित में है उसकी शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि पहले सत्र में छ्व्त्र (कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल) की रिपोर्ट लाई जाएगी, जिसमें दिल्ली सरकार की वित्तीय स्थिति का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा, रेखा गुप्ता ने महिलाओं के लिए 2500 रुपये देने की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा, ÷हम महिलाओं के लिए 2500 रुपये का मासिक भत्ता देंगे।÷ रेखा गुप्ता ने कहा, ÷हम कई चरणों में बैठक कर रहे हैं, जो स्थिति पिछली सरकार ने हमारे लिए छोड़ी है उसके बारे में अधिकारियों से

स्टेटस रिपोर्ट ले रहे हैं। सभी खजाने खाली दिखाई देते हैं, लेकिन हम इसे सुधारने के लिए कदम उठाएंगे। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को रविवार को दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुना गया। यह फैसला आम आदमी पार्टी (ﺋﻚ) के विधायकों की बैठक में लिया गया, जिसमें पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और 22 निर्वाचित विधायकों ने हिस्सा लिया। दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है, जो तीन दिन तक चलेगा। इस सत्र में बीजेपी सरकार द्वारा पिछली आम आदमी पार्टी सरकार के कामकाज के खिलाफ लंबित कैग रिपोर्ट पेश की जाएगी।

बीजेपी ने 5 फरवरी को हुए विधानसभा चुनावों में 70 सीटों में से 48 सीटों पर जीत दर्ज की थी और आप को दिल्ली की सत्ता से बाहर कर दिया था। इस चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पार्टी के कई शीर्ष नेता भी हार गए थे।

आतिशी को चुना गया नेता विपक्ष, एजेंडे पर करेंगी काम

रविवार को आम आदमी पार्टी के विधायक दल की बैठक में ये फैसला लिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतिशी को दिल्ली विधानसभा का नेता विपक्ष चुना गया है। सोमवार से विधानसभा का सत्र शुरू हो रहा है। रविवार को आम आदमी पार्टी के विधायक दल की बैठक में ये फैसला लिया गया है। इस बैठक में अरविंद केजरीवाल, आतिशी और गोपाल राय समेत पार्टी के कई अन्य बड़े नेता मौजूद रहे। आम आदमी पार्टी के सभी विधायक इस बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेस कर गोपल राय ने कहा कि आतिशी नेता विपक्ष होंगी। सभी विधायकों ने उन्हें चुना है। आतिशी दिल्ली की मुख्यमंत्री भी रह चुकी हैं। गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने जो काम किए हैं। उनकी रक्षा की जिम्मेदारी हमें निभानी है। साथ ही बीजेपी ने जो वादे किए हैं। उसे पूरा करवाना, ये हमारे नेता प्रतिपक्ष की दोहरी जिम्मेदारी होगी।

नेता विपक्ष चुने जाने के बाद आतिशी ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने आम आदमी पार्टी को विपक्ष की भूमिका दी है। एक मजबूत विपक्ष क्या होता है? ये हम काम कर के बताएंगे। मोदी जी ने कहा था पहली कैबिनेट में ये पास होगा। 8 मार्च को महिलाओं के अकाउंट में 2500 रुपये आ जाएंगे। ये वादा पूरा करवाना हमारा एजेंडा होगा।

आतिशी ने कहा, %जो छ्व्त्र की रिपोर्ट है, उसे मैंने ही स्पीकर साहब को चुनाव से पहले भेजी थी। ये भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं की इन्होंने ही ये रिपोर्ट पेश की है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा, जो तीन दिन का होगा। बीजेपी सरकार ने कहा कि पिछली आप सरकार के कामकाज के खिलाफ लंबित कैग रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी। बीजेपी ने पांच फरवरी को हुए विधानसभा चुनाव में 70 में से 48 सीट जीतकर आप को दिल्ली की सत्ता से बाहर कर दिया है।

20 साल की मुस्लिम लड़की ने किया धर्म परिवर्तन, हिंदू प्रेमी से की शादी, जान का खतरा

बरेली (एजेंसी)। यूपी के बरेली से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मुस्लिम लड़की ने धर्म परिवर्तन कर लिया है और अपने हिंदू प्रेमी से शादी कर ली है। लड़की ने अपने मां-पिता और परिजनों से जान का खतरा बताया है और वीडियो बनाकर कहा है कि उसने जो भी किया है, वह अपनी मर्जी से किया है। 20 साल की दानिया खान ने अपने परिवार को छोड़कर एक हिंदू युवक से शादी कर ली है और हिंदू धर्म अपना लिया है। दानिया ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर न सिर्फ अपने परिजनों से गुमशुदगी की रिपोर्ट वापस लेने की अपील की है बल्कि पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती दानिया खान ने वीडियो में कहा कि मेरा नाम दानिया है, मेरी उम्र 20 साल है और मैं बरेली के प्रेमनगर की रहने वाली हूं। कृपया पुलिस केस वापस ले लें। मैं जहां भी हूं, अपनी मर्जी से हूं और खुश हूं। पांच फरवरी को रात आठ बजे मैंने अपनी मर्जी से घर छोड़ा था।

महाकुंभ के चलते कम हुई भारत-बांग्लादेश की बीच तल्खी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हुए हालिया घटनाक्रम के बीच राजनीति और कूटनीति आपसी संबंधों में सुधार के लिए संघर्ष कर रही हैं, वहीं आस्था इस काम को बखूबी अंजाम देती प्रतीत हो रही है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को पिछले साल अगस्त में अपदस्थ किए

● प्रयागराज के बाद 6 राज्यों में परफॉर्म करेंगे बांग्ला कलाकार

जाने के बाद पड़ोसी देश में पैदा हुई अशांति के बीच अल्पसंख्यक हिंदुओं को कथित रूप से निशाना बनाए जाने की कई घटनाएं हुईं। इन घटनाओं के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच यह आधिकारिक तौर पर पहला सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतीत होता है। बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस की सरकार ने बांग्लादेशी कलाकारों के समूह को महाकुंभ में प्रस्तुति के लिए आंशिक रूप से प्रायोजित किया। बांग्लादेश से आई छह सदस्यीय नृत्य मंडली ने कुंभ में 13,000 सीट वाले अस्थायी केंद्रीय सांस्कृतिक केंद्र गंगा पंडाल में 10वें भारत अंतरराष्ट्रीय नृत्य और संगीत महोत्सव के उद्घाटन सत्र में शनिवार शाम को प्रस्तुति दी। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने संयुक्त रूप से आयोजित किया।

लंबे समय से नहीं आ रहे थे बांग्लादेशी कलाकार

आईसीसीआर विदेश मंत्रालय के अधीन काम करता है। इससे पहले भारत में हुए प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रमों, जैसे कि अंतरराष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला 2025 और पिछले साल दिसंबर में 30वें कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव से बांग्लादेश अनुपस्थित रहा था। हालांकि पहले बांग्लादेश इन कार्यक्रमों में लगातार भाग लेता था। यह नृत्य मंडली 10 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले विदेशी कलाकारों के 107 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रही। इसका नेतृत्व ढाका विश्वविद्यालय के नृत्य विभाग की सहायक प्रोफेसर रेचल प्रियंका पर्सिस ने किया। मंडली ने गौड़िया नृत्य का प्रदर्शन किया, जो धार्मिक कथाओं, कविता और संगीत पर आधारित एक वैष्णव नृत्य शैली है।

छह राज्यों में प्रस्तुति देगी नृत्य मंडली: यह नृत्य मंडली 22 और 23 फरवरी को महाकुंभ में अपनी दो दिवसीय प्रस्तुति के बाद गुजरात, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, बिहार, असम और मेघालय में प्रस्तुति देगी तथा इस महीने के अंत में दिल्ली में उसका अंतिम कार्यक्रम होगा। प्रियंका ने कहा, ''मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे मानवता के इस सागर के बीच प्रदर्शन करने का मौका मिला। हमें आमंत्रित करने के लिए मैं भारतीय उच्चायोग को धन्यवाद देती हूं। हमें वीजा प्राप्त करने में कोई समस्या नहीं हुई।'' उन्होंने अपनी टीम के अन्य सदस्यों - मौसमी, लाबोनी, रिनी, रईसा और पिंकी का परिचय दिया।

इन देशों के कलाकार ले रहे भाग: अधिकारियों ने बताया कि भारत और बांग्लादेश के अलावा रूस, मंगोलिया, रवांडा, किर्गिस्तान, मालदीव, वियतनाम, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और फिजी के कलाकार भी इसमें भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम भारत और कई देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम समझौते (सीईपीए) का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य विदेशों में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना और स्थानीय कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय कला एवं संस्कृति से परिचित कराना है।

कृषि-उद्यानिकी उत्पादों को बेहतर मार्केट उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार कृत-संकल्पित-मंत्री कुशवाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि कृषि एवं उद्यानिकी उत्पाद को बेहतर मार्केट उपलब्ध हो सके, इसके लिये राज्य सरकार कृत-संकल्पित है। प्रदेश में खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों की अधिकाधिक स्थापना के लिये भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बड़ी संख्या में इन्वेस्टर्स द्वारा रुचि ली गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार-भारत सरकार के साथ मिलकर उत्पादकों को बेहतर बाजार उपलब्ध करायेगी। उन्होंने यह बात शनिवार को भोपाल हाट बाजार में विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, कृषि मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित कार्यशाला और राष्ट्रीय प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर कही।

इस अवसर पर कमिश्नर उद्यानिकी श्रीमती प्रीति मैथिल, सहायक कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार श्री अक्षय याकूब सहित किसान भाई, एफपीओ के सदस्य उपस्थित थे। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश उद्यानिकी और कृषि फसलों के उत्पादन में देश में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

प्रदेश में खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों की स्थापना के लिये राज्य शासन द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश के बाहर के खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले उद्यमियों को राज्य शासन उद्यम निवेश नीतियों के तहत पूर्ण सहयोग और समर्थन दिया जायेगा। उन्होंने उद्यानिकी फसलों के संबंध में अपने अनुभव भी साझा किये। सहायक कृषि विणन सलाहकार भारत सरकार श्री अक्षय याकूब ने बताया कि

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कृषि विपणन से जुड़े किसानों को आधुनिक विपणन तकनीकों से अवगत कराना, सहकारी संस्थानों की भूमिका, एग्री-बिजनेस के अवसरों को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण एवं शहरी बाजारों के बीच तालमेल स्थापित करना शामिल है।

इस कार्यक्रम में विभिन्न विशेषज्ञ एगमार्क सर्टिफिकेशन, आधुनिक विपणन प्रणाली, मूल्य संवर्धन प्र-संस्करण भंडारण, निर्यात तथा ई-बाजार जैसे पहलुओं पर विस्तृत व्याख्यान दिये गये। इसके अलावा कार्यशाला में किसानों को प्रशिक्षण देकर उन्हें नवीनतम कृषि विपणन नीतियों और योजनाओं से अवगत कराया गया।

कार्यशाला में नाबार्ड, म.प्र. कृषि विपणन बोर्ड, बैंकों और अन्य संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये प्रशिक्षण केन्द्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से प्रदेश में 3 स्तरों पर ड्रायविंग प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की जा रही है। यह प्रशिक्षण केन्द्र प्रादेशिक, संभागीय और जिला स्तर पर संचालित करने का निर्णय लिया गया है। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा इंदौर और छिंदवाड़ा में प्रादेशिक स्तर के प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। छतरपुर में प्रादेशिक स्तर का प्रशिक्षण केन्द्र की भारत सरकार द्वारा स्वीकृति मिल गयी है। इसके साथ ही सिंगरौली, धार, सतना, सीधी, रायसेन, रीवा, दमोह, देवास एवं विदिशा में जिला स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण कार्य जारी है। भोपाल, छतरपुर और बैतूल में स्वीकृत प्रादेशिक ड्रायविंग ट्रेनिंग सेंटर का निर्माण कार्य जारी है। प्रदेश में प्रतिवर्ष 78 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएँ वाहन चालक की गलती के कारण होती हैं। इस उद्देश्य से प्रदेश में ड्रायविंग ट्रेनिंग सेंटर संचालित करने का निर्णय लिया गया है।

एकल सदस्यीय प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण का पुनर्गठन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण के कार्यों को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अधीन लाये जाने के लिये अधिसूचित किया गया है। प्राधिकरण के कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने और उत्तरदायित्व निर्धारण के लिये एकल सदस्यीय प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण का पुनर्गठन किया गया है। प्रदेश में 10 राजस्व संभागों में पदस्थ आयुक्त राजस्व संभाग को उनके क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिलों के लिये कर्त्तव्यों का निर्वहन करने के लिये एकल सदस्यीय प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण का पुनर्गठन किया गया है। पुनर्गठन की अधिसूचना मध्यप्रदेश राजपत्र में सचिव परिवहन श्री मनीष सिंह के हस्ताक्षर से जारी की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत श्रद्धानंद सरस्वती की जयंती और कस्तूरबा गांधी की पुण्यतिथि पर किया नमन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संत स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि स्वामी जी ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, धर्म और शिक्षा के प्रति समर्पित किया। वेदों की शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने, समाज सुधार करने और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने के लिए वे सदैव स्मरणीय रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया %एक्स% पर कहा कि संत श्रद्धानंद सरस्वती का जीवन हमें सत्य, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज सुधार और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की धर्मपत्नी और स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कस्तूरबा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा है कि %बा% ने नारी शक्ति को एकजुट कर स्वतंत्रता आंदोलन को गति दी। उनका जीवन संयम, सादगी और अनुशासन से परिपूर्ण था, जो हमें सदैव उच्च आदर्शों एवं जीवन मूल्यों के प्रति संकल्पित रहने की प्रेरणा देता रहेगा।

जैन मंदिर में वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के अभिरुचि परिसर स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ जैन सर्वतोभद्र चौबीसी जिनालय में वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुनि प्रमाण सागर महाराज के सानिध्य में याग मंडल विधान सम्पन्न हुआ। मुनि प्रमाण सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जहां चित्त में विशुद्धि है, वहां चिंताओं का अभाव है। जीवन की सार्थकता चिंता में नहीं, चिंतन में है। आज जिन प्रतिमाओं का कलश अभिषेक होगा और जिनालय के शिखर पर 14 फीट के स्वर्ण कलश का आरोहण किया जाएगा। टी टी नगर पंच कल्याणक में प्रतिष्ठित 24 तीर्थंकरों की अष्ट धातु और 4 पाषाण की प्रतिमाओं को विशेष अनुष्ठान के साथ नवीन वेदिका पर स्थापित किया जाएगा। चहुँमुखी स्वर्णमय नवीन वेदिका के पुण्याजर्क प्रमोद हिमांशु हैं। याग मंडल विधान में वीरेंद्र अजमेरा, संगीता, राकेश रुचि सराफ, सुधीर, सोनिया, सुनील, रचना, अनिल, विनोद, भारती, नीतीश, शिखा, विकास और सरिता समेत कई प्रमुख पात्रों ने विधि-विधान से अर्घ अर्पित किया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष विकास जैन, प्रमोद जैन, महेंद्र कोठारी, इंजीनियर अनिल जैन, नरेंद्र जैन, जे के जैन तथा वामा देवी महिला मंडल की सुधा जैन, अनीता भारती और कुसुम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

केजी-2 के नन्हें-मुन्नों का ग्रेजुएशन समारोह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के माउंट कार्मेल कान्वेंट स्कूल कोलार में केजी-2 का ग्रेजुएशन समारोह शनिवार को उत्साह के साथ मनाया गया। किड्स कैंपस स्कूल की प्रबंधक सोनल विपिन माहेश्वरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत स्काउट एंड गाइड के विद्यार्थियों और बैंड ग्रुप द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर से हुई। प्रिंसिपल सिस्टर सुधा, मैनेजर सिस्टर डायना, सिस्टर फ्लोरेंसिया और मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित किया।

जीआईएस के लिए भोपाल पहुंच रहे उद्योगपति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के मानव संग्रहालय में कल से शुरू हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए मेहमानों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। अब तक 500 से अधिक मेहमान भोपाल आ चुके हैं। ज्यादातर फ्लाइट से आए। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत भी किया गया। वे अगले 3 दिन तक भोपाल में ही जरदोजी के उत्पाद, चंदेरी की साड़ी और बाग प्रिंट सूट-साड़ी भी खरीद सकेंगे। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जीआईएस मध्यप्रदेश कार्यक्रम के तहत 3 दिवसीय ग्रामीण उत्पाद मेला 10 नंबर मार्केट स्थित राग भोपाली में आज से शुरू होगा, जो 25 फरवरी तक चलेगा। मेले में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं अपनी कलां और उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी। मेला रोज दोपहर 3 से रात 9 बजे तक चलेगा। मेले में जरी जरदोजी के उत्पाद, चंदेरी साड़ी, रेडिमेड कुर्ते, सोया बड़ी, बाग प्रिंट सूट साड़ी, सिल्क सूट साड़ी, भेलपुरी, चाय नाश्ता, चाट-फुल्की एवं अन्य ग्रामीण उत्पाद के स्टॉल लगाए जा रहे हैं। फूड स्टॉल के साथ सोहानी संगीत संध्या का लुत्फ ले पाएंगे। भोपाल जिले में वर्तमान में हजारों समुह जुड़े हैं। इनमें करीब 11000 महिलाएं विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं। विशेष रूप से %वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट% योजना के तहत जरी-जरदोजी उत्पादों के लिए करीब 105 महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में महमानों के लिए खास परफॉर्मेंस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भोपाल का ऐतिहासिक बड़ा तालाब वाटर स्पोर्ट्स के रोमांचक प्रदर्शन से जगमगाएगा। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि 23, 24 और 25 फरवरी को खेल एवं युवा कल्याण विभाग की वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, जिससे देश-विदेश से आए डेलिगेट्स मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। इसी बीच, रविवार सुबह इन खिलाड़ियों ने अभ्यास किया, जिसमें सेलिंग, कयाकिंग, कैनोइंग और रोइंग शामिल है। समिट के दौरान बड़े तालाब में सेलिंग बोट्स पर भव्य बैनर लगाकर डेलिगेट्स का स्वागत किया जाएगा। यह अनूठा आयोजन वीआईपी रोड और ब्रिज से देखा जा सकेगा। इस दौरान सेलिंग, कयाकिंग, कैनोइंग, रोइंग और कैनो सलालम जैसी जलक्रीड़ाएं मुख्य आकर्षण होंगी। साथ ही, बोट क्लब को विशेष रूप से सजाया जाएगा, जिससे भोपाल की खूबसूरती और निखरेगी। मंत्री सारंग ने जानकारी दी कि 23 से 25 फरवरी तक सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक और शाम 4 बजे से 8 बजे तक वाटर स्पोर्ट्स शो आयोजित किया जाएगा। इस भव्य आयोजन में 100 से अधिक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि बड़ा तालाब भोपाल की ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर है, और इस आयोजन से इसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

प्रदेश में न्यूक्लियर एनर्जी की सात यूनिट लगेंगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए मप्र में रिन्युएबल एनर्जी के अलावा न्यूक्लियर और थर्मल एनर्जी के क्षेत्र में भी बड़ी सौगात मिल रही हैं। न्यूक्लियर एनर्जी की 600 मेगावॉट क्षमता की 7 यूनिट लगेंगी। थर्मल एनर्जी की 600 मेगावाट क्षमता की दो यूनिट लगेगी। न्यूक्लियर एनर्जी के प्लांट के लिए 80 हजार करोड़ रुपए का निवेश होगा। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि इसमें नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन(एनटीपीसी) द्वारा न्यूक्लियर के ग्रीनफील्ड के 2 पावर प्लांट लगेंगे। रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन द्वारा कैपिटल वर्क लोन के जरिए 21 हजार करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट भी शामिल है।

ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडल ने बताया कि न्यूक्लियर और थर्मल एनर्जी की यूनिट के लिए अप्रूवल मिल

चुका है। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन द्वारा कैपिटल वर्क लोन के जरिए 26 हजार 800 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट की तैयारी की जा रही है। तोमर के मुताबिक इसमें एनटीपीसी ग्रीन के 20 गीगावॉट के पावर जनरेशन पर होने वाले 1.2 लाख करोड़ रुपए का निवेश भी शामिल है। दो औद्योगिक घराने पहले ही प्रदेश की ट्रांसमिशन में 3000 करोड़ रुपए से ज्यादा इंस्ट्रूमेंट इन्वेस्टमेंट कर चुके हैं

इससे पहले पावर के क्षेत्र में सक्रिय दो बड़े औद्योगिक घराने अदाणी पावर और हैदराबाद के मेधा इंजीनियरिंग ग्रुप द्वारा प्रदेश में ट्रांसमिशन के क्षेत्र में 3000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश करने के करार हो चुके हैं। इन दोनों औद्योगिक घरानों द्वारा प्रदेश में एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन के निर्माण किया जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मप्र की कैपिटल सिटी पहली बार जीआईएस की मेजबानी करने जा रही है। हम सब अतिथियों और निवेशकों के स्वागत के लिए तैयार हैं। ये सिर्फ सरकार का नहीं है, इसमें सबकी भागीदारी होनी चाहिए। स्वागत ऐसा होगा कि मेहमान कभी नहीं भूल पाएंगे। निवेश भी यहीं नहीं रुकेगा, अब हर माह लोग कुछ न कुछ देखेंगे। सीएम डॉ. यादव ने शनिवार को मानव संग्रहालय में समिट के आयोजन की तैयारियों का मुआयना किया और मेहमानों की बैठक व्यवस्था से लेकर उनके स्वागत सत्कार के लिए किए गए इंतजाम भी देखे। सीएम ने प्रधानमंत्री के लिए जीआईएस परिसर में ही तैयार किए गए लाऊंज और उद्घाटन कार्यक्रम के लिए तैयार मुख्य सभागार (सबसे बड़े डोम) में पहुंचकर मंच, अतिथियों एवं निवेशकों के लिए बैठक व्यवस्था देखी।

उद्योगपतियों को मिलेगी कई सहुलियतें-ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये ऊर्जा विभाग द्वारा बिजली बिलों में और उच्च दाब कनेक्शनों के लिये विभिन्न प्रकार की छूटों का प्रावधान किया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार उद्योगपतियों को ऊर्जा विभाग द्वारा कई सहूलियतें दी जा रही हैं। श्री तोमर ने कहा है ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 से प्रदेश में उद्योगीकरण को गति मिलेगी। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया है कि उच्च दाब कनेक्शन लेने वाले नए उद्योगों के लिये 33 केव्ही पर 5 वर्ष, 132 केव्ही पर 7 वर्ष और 220 केव्ही पर 10 वर्ष के लिये विद्युत शुल्क से छूट मिलेगी। नए उच्च दाब कनेक्शनों को ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत अथवा 1 रूपये प्रति यूनिट में जो भी कम हो, की 5 वर्ष के लिये छूट दी जाएगी। कैप्टिव पॉवर उपयोगकर्ता को कैप्टिव उत्पादन कम कर विद्युत वितरण कम्पनी से बिजली खरीदने पर बड़ी हुई खपत में 2 रूपये प्रति यूनिट की छूट 5 वर्ष तक के लिये दी जाएगी। विद्यमान उच्च दाब उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई यूनिटों पर ऊर्जा प्रभार में 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। उच्च दाब उपभोक्ताओं को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 14 दस्तावेजों के स्थान पर मात्र 2 दस्तावेजों के आधार पर 7 दिन में नए कनेक्शन दिये जा रहे हैं। शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिये कार्पोरेट स्तर पर रिलेशनशिप मैनेजर्स नियुक्त किये गये हैं। विद्युत शुल्क का युक्तियुक्तकरण किया गया है। इससे माईन्स, सीमेंट उद्योग और स्टोन क्रशर को छोड़कर सभी अन्य उद्योगों पर एक समान 9 प्रतिशत की दर से विद्युत शुल्क लगेगा। पहले उच्च दाब उद्योगों पर 15 प्रतिशत शुल्क लगता था। उचित पॉवर फेक्टर बनाएं रखने के लिये बिल में छूट और अग्रिम, शीघ्र और ऑनलाइन बिल भुगतान में प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी 24 फरवरी को करेंगे जीआईएस-2025 का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में 24-25 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 से मध्यप्रदेश , औद्योगिक विकास की नई संभावनाओं को साकार करने की दिशा में अग्रसर है।

इस समिट का उद्देश्य निवेशकों को प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं से अवगत कराते हुए, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश को एक फेवरेट इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है। समिट का शुभारंभ 24 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में करेंगे। शुभारंभ कार्यक्रम सुबह 10ः00 बजे से 11ः15 बजे तक चलेगा। भोपाल जीआईएस का समापन समारोह 25 फरवरी को गृह मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में शाम 4ः30 से 6ः00 बजे तक आयोजित होगा। इस समिट में देश-विदेश के उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां और नीति-निर्माता शामिल होंगे। कुल 31 हजार 659 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में पंजीकरण कराया है। इसमें उद्योग जगत के लगभग 3 हजार 903 विशेष आमंत्रित एवं डेलीगेट्स 8046 रहेंगे। इसमें 300 से अधिक गेस्ट ऑफ ऑनर, 133 अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिभागी 3398 स्टार्ट-अप्स के प्रतिनिधि, 562 एनआरआई एवं मध्यप्रदेश प्रवासी, विभिन्न उद्योग संघों के 249 प्रतिनिधि और विभिन्न सत्रों एवं विभागीय समिट्स में 10491 प्रतिभागी शामिल होंगे। समिट में भारत की अग्रणी कंपनियों के 300 से अधिक अध्यक्ष, एमडी और सीईओ उपस्थित रहेंगे। इनमें श्री गौतम अडानी (अध्यक्ष, अडानी समूह), श्री कुमार मंगलम बिरला (अध्यक्ष, आदित्य बिड़ला समूह), श्री संजीव पुरी (सीएमडी, आईटीसी लिमिटेड), श्री नादिर गोदरेज (सीएमडी, गोदरेज इंडस्ट्रीज श्री अश्विनी अरोडा (एमडी) दावत फूडस श्री रघुपति सिंघानिया, सीएमडी जेके टायर श्री बालकृष्ण गोयनका अध्यक्ष, वेल्सपेन वर्ल्ड, श्री सुनील बजाज कार्यकारी अध्यक्ष श्री आदित्य बिडला, श्री सतीश पई एमडी हिंलातकों इंडस्ट्री, श्री एम के अग्रवाल, एमडी ग्रासिम इंडस्ट्री श्री कैलाश झावर, एमडी अल्ट्राटेक सीमेंट, श्री बाबा एन कल्याणी, सीएमडी भारत फोर्स लिमिटेड, श्री चंद्रजीत बनर्जी, डीजीसीआईआई, श्री कार्तिक भारत राम, संयुक्त एमडीएसआरएफ लिमिटेड, श्री आंद्रे एक होल्ट एमडी हेटिच इंडिया प्रायवेट लिमिटेड, श्री राघवपत सिंघानिया, एमडी जेके सीमेंट, श्री विनोद अग्रवाल, एमडी एवं सीईओ वी कमार्शियल व्हीकल्स, श्री पुनीत डालमिया सीईओ डालमिया सीमेंट, श्री सुधीर मेहता, सीएमडी पिनेकल इंडस्ट्रीज श्री कुमार वेंकर सुब्रमण्यम, एमडी प्रॉक्टर एंड गैंबल, श्री अभय फिरोडिया, अध्यक्ष फोर्स मोटर्स, श्रीमती सुचिता ओसवाल जैन, उपाध्यक्ष वर्धमान, श्री हिरोशी योशिजाने, एमडी ब्रिजस्टोन इंडिया, श्री रवि झुनझुनवाला, सीएमडी एचईजी श्री रंजिदर गुप्ता ट्राइडेंट ग्रुप, श्री राहुल संघवी, निर्देशक संघवी फूड्स, श्री वीर एस अडवणी, सीएमडी ब्लू स्टार, श्री पार्थ प्रतिम सेन गुप्ता, एमडी एवं सीईओ बंधन बैंक एवं श्री इंगो सोलर, सीईओ टीडब्लूई ओबीटी शामिल है। समिट के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 7 विभागीय सम्मेलन और 10 विशिष्ट सत्र आयोजित किए जाएंगे।

शाला उपस्थिति वृध्दि के लिए नर्मदापुरम को मिला प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में शैक्षणिक गुणवत्ता में और अधिक वृध्दि के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदेश के नर्मदापुरम ज़िले में विद्यार्थियों की शाला में नियमित उपस्थिति के लिए जिला कलेक्टर की पहल पर संचालित ''सीटी बजाओ-बच्चे बुलाओ'' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

जिले की इस पहल को इस वर्ष का प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार प्राप्त हुआ है। जिला शिक्षा केन्द्र नर्मदापुरम की इस उपलब्धि पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल और राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक श्री हरजिंदर सिंह ने नर्मदापुरम जिला कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, जिला परियोजना समन्वयक डॉ. राजेश जायसवाल सहित कार्यक्रम से जुडे सभी

सहयोगियों और शिक्षकों को बधाई दी है।

प्रदेश में ग्रामीण परिवेश के परिवारों में जागरूकता की कमी से बच्चे नियमित रूप से स्कूल नहीं पहुँच पाते हैं। इसका सीधा प्रभाव उनके सीखने के स्तर पर पड़ता है। इसके लिए कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना ने प्रारंभिक तौर पर जिले की 5 शालाओं में, जहाँ की उपस्थिति 30 प्रतिशत के आसपास थी, वहाँ ''सीटी बजाओ-बच्चे बुलाओ'' का रोचक और अभिनव नवाचार प्रारंभ किया। इसमें शाला के शिक्षक के साथ बच्चों की एक टीम, जिसमें एक सीटी कैप्टन होता है, उन बच्चों के घर के सामने जाकर सीटी बजाते हैं, जो बच्चे नियमित रूप से स्कूल नहीं आते। सीटी की आवाज सुनकर गाँवों में भी यह बात प्रचारित होती चली गई कि सीटी बजाने का मतलब बच्चों को स्कूल भेजना है। सीटी बज गई शाला खुल गई अभियान में ग्रामीणों ने भी सहयोग दिया और पालक भी बच्चों को तैयार करके स्कूल भेजने लगे। आज इन स्कूलों की उपस्थिति 30 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 70 प्रतिशत हो गई है। कार्यक्रम के सकारात्मक परिणामों के आधार पर जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा इस नवाचार को स्कॉच अवार्ड के लिए नामांकित किया गया था। सेमी-फाइनल राउंड में देश के बड़े संस्थानों के प्रतिष्ठित 22 प्रोजेक्ट में से प्रदेश के इस अभिनव प्रयास को स्कॉच अवार्ड के लिए चुना गया। अब जिले की अन्य शालाओं में भी इस प्रयोग से बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं, जो कि परीक्षा की तैयारी के लिए भी सार्थक सिद्ध हो रहे हैं।उल्लेखनीय है कि स्कॉच अवार्ड सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तनों के नेतृत्व के साथ समाज और शासन में लाभकारी परिवर्तनों में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रदान किया जाता है।

विचार

'बगिया के लाल विष्णु देव का कमाल: छत्तीसगढ़ में ट्रिपल इंजन की सरकार

छत्तीसगढ़ में इस समय ट्रिपल इंजन की सरकार है। यह संभव हो सका है प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच और सुशासन से। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए उन्होंने संवेदनशीलता के साथ हर वर्ग का ध्यान रखकर नीतियां बनायी। परिणाम सबके सामने है। साय सरकार के 14 महीने की अल्पावधि में ही चहुंओर सांय-सांय काम हो रहा है।

छत्तीसगढ़ की जनता का विश्वास जीतने में विष्णु देव साय कामयाब हुए। नतीजतन, हाल ही में हुए नगरीय निकाय चुनाव में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। विधानसभा, लोकसभा के बाद अब नगरीय निकायों के चुनाव में भारी सफलता ने विष्णु देव के कुशल नेतृत्व पर मुहर लगा दी है। निश्चय ही ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से अब छत्तीसगढ़ में विकास की गति तेज होगी।

दूरस्थ आदिवासी अंचल जशपुर के बगिया गांव में विष्णुदेव साय का जन्म 21 फरवरी 1964 को हुआ। तब किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि बगिया का यह लाल, एक दिन छत्तीसगढ़ के मुखिया की महती जिम्मेदारी संभालेंगे। छत्तीसगढ़ के प्रथम निर्विवाद आदिवासी मुख्यमंत्री होने का इतिहास विष्णुदेव साय के नाम पर दर्ज है। उनके सहज, सरल व्यक्तित्व में छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री होने का भाव साफ झलकता है। मृदुभाषी होने के साथ ही प्रशासनिक कसावट को लेकर उनकी छवि ने जन सामान्य का दिल जीत लिया है। वैसे तो पंच से लेकर सरपंच, विधायक, सांसद, केंद्रीय राज्यमंत्री और मुख्यमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर उपलब्धियों भरा है। लेकिन, बीते 14 महीने में मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा बनाई गई जनहितैषी नीतियों से सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिल रहा है।

विष्णुदेव साय किसान पुत्र हैं। वे किसानों के दुख-दर्द को भलीभांति जानते और समझते हैं। अन्नदाता किसानों की चिंता करते हुए विष्णु देव साय ने सरकार बनते ही सबसे पहले किसानों का दो साल का बकाया बोनस दिया। 3100 रूपये प्रति क्वंटिल की दर से 21 क्वंटिल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी सुनिश्चित की। इससे किसानों के जीवन में खुशहाली आयी है। किसान अब धान की खेती से धनवान बनने की ओर अग्रसर हैं।

कोई भी नागरिक खुले आसमान के नीचे नहीं सोएगा, सबका खुद का आशियाना होगा, इसकी चिंता करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 18 लाख से अधिक जरूरतमंद हितग्राहियों के लिए प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति मुख्यमंत्री बनते ही दी। यह उनकी संवेदनशीलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। इसी तरह माता-बहनों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में महतारी वंदन योजना मील का पत्थर साबित हो रहा है। हर महीने करीब 70 लाख महिलाओं के खाते में सीधा एक हजार रूपये जमा होने से उनके जीवन स्तर में बहुत कुछ बदलाव आया है। माताएं-बहनें आत्मनिर्भर हो रहीं हैं।

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।. देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संया में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है।

मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो 'फोर्सेज का ट्रांसमिशन' यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी. ।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।

13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी।

हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं।

जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

सियासी पापों से जनहित की रक्षा के लिए गठित करनी होगी स्वतंत्र एजेंसी?

कमलेश पांडे

भारत की संसदीय राजनीति एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यहां राजनीतिक दलों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्राप्त बेहिसाब अधिकार के दुरूपयोग की जिस तरह की दुनियावी खबरें मिल रही हैं, उससे पक्ष-विपक्ष दोनों की सियासी भूमिका संदेह के घेरे में है। सुलगता सवाल है कि जब राजनीतिक दलों और उनके द्वारा ही राष्ट्रीयता विरोधी कार्रवाई की जाएगी, राष्ट्रवाद की अवधारणा को मुंह चिढ़ाते हुए जनविरोधी फैसले लिए जाएंगे और कानून बनाए जाएंगे तो फिर इसकी निष्पक्ष जांच कौन करेगा?

चूंकि भारत में जिन दलित, आदिवासी और पिछड़े मतदाताओं का बहुमत है, उनकी कानूनी शिक्षा व राजनीतिक साक्षरता उस स्तर की नहीं है, जो किसी भी लोकतंत्र की सफलता के लिए जरूरी है। इसलिए उन्हें आरक्षण, जातिवाद और साम्प्रदायिकता जैसे मुद्दों पर सियासी समूहों द्वारा बरगलाया जाता है और जनविरोधी-राष्ट्रविरोधी कुकृत्य संपादित किये जाते हैं, इसलिए प्रबुद्ध सिविल सोसाइटी का जगना बदलते वक्त की मांग है, अन्यथा देश को पुनः गुलाम होने से कोई नहीं रोक सकता। सच कहूं तो जैसे मुगल शासक बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के दांवपेंच को नहीं समझ पाए और अंग्रेजों के हाथों अपनी सत्ता गंवा दी, कुछ उसी तरह की भूल हमारी निर्वाचित सरकारें एक-दूसरे दल को दबाने के लिए कर रही हैं। कोई दल अमेरिका के हाथ में खेल रहा है, तो कोई दल चीन के हाथ में। कोई पार्टी अरब मुल्कों के प्रभाव में है तो कोई पार्टी यूरोपीय देशों के प्रभाव में। यह अनुचित है और इससे बचने का एक मात्र रास्ता है कि हमलोग आओ कानून-कानून खेलें वाली प्रवृत्ति से बचें। बेहतर तो यही होगा कि जैसे पूरे देश में एक समान मताधिकार कानून है, उसी तरह से हरेक मुद्दे पर एक समान कानून बने। इसमें जाति, भाषा, क्षेत्र, सम्प्रदाय, लिंग अथवा वर्ग मूलक आदि के नजरिए से कोई विभिन्नता पैदा नहीं की जाए और इस मामले में ब्रितानी नीतियों का ट्रू कॉपी समझे जाने वाले हमारे संविधान में अपेक्षित संशोधन किए जाएं। अन्यथा तर्क पर कुतर्क भारी पड़ेगा। लोकतंत्र महज भीड़तंत्र बनकर रह जाएगा। इसे सभ्य तन्त्र में तब्दील करना दिवास्वप्न बन जायेगा। अमूमन, चुनावों में धनबल के बढ़ते प्रयोग और उस धन को एकत्रित करने के लिए राजनीतिक दलों व उनके प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न स्तरों पर किए जाने वाले नीतिगत समझौते से ही भारत और भारतीयों दोनों का भविष्य प्रभावित होने लगे और मुट्ठी भर अभिजात्य लोगों की चांदी हो जाए तो फिर क्या किया जा सकता है। ये बातें मैं इसलिए छेड़ रहा हूँ कि इस बारे में सत्ता पक्ष और विपक्ष में, जो तू-तू, मैं-मैं होती रहती है, उससे अक्सर संशय पैदा होती है। चूंकि इस आत्मघाती सियासी प्रवृत्ति को रोकने में हमारी उच्च पदस्थ कार्यपालिका और न्यायपालिका दोनों विफल रही है, इनके विश्लेषण में मीडिया की भूमिका भी पक्षपाती और अभिजात्य वर्गीय हितों की संरक्षक प्रतीत हुई है, इसलिए इन तमाम मामलों की निष्पक्ष जांच और अपेक्षित समतामूलक कार्रवाई के लिए न्यायपालिका, कार्यपालिका, मीडिया और सिविल सोसाइटी के प्रबुद्ध, उच्च योग्यताधारी, समाजसेवा में अनुभवी और वैचारिक साख रखने वाले व्यक्तियों की एक जिम्मेदार स्वतंत्र एजेंसी बनाये जाने और इनके प्राप्त निष्कर्षों पर जनमत सर्वेक्षण कराए जाने की जरूरत है, ताकि भारतीय संसद

द्वारा बनाए गए राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और जनविरोधी कानूनों की समीक्षा समय-समय पर की जा सके। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है कि बहुमत के जुगाड़ में राजनीतिक दल जो कुछ भी फैसले लिए गए हैं या लिए जाते हैं, या लिए जाने वाले हैं उससे साफ दृष्टिगोचर हो रहा है कि ये कहीं पर निगाहें, कहीं पर निशाना की तर्ज पर कार्य कर रहे हैं। लिहाजा, सभ्य समाज के निर्माण में इनकी भूमिका भी पक्षपाती प्रतीत होती आई है। वहीं, हमारी संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष की मिलीभगत से विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों और स्वार्थपरक पेशेवर या सामाजिक-आर्थिक दबाव समूहों के हित में जो कानून बनाए गए हैं, उससे आम भारतीय यानी आम आदमी के दूरगामी हितों पर कुठाराघात पहुंचा है। इसलिए जनहित के विरोध में जो फैसले लिए गए हैं, तत्सम्बन्धी कानून बनाए गए हैं, उन्हें बदलवाने में भी उपर्युक्त एजेंसी की भूमिका को सार्थक बनाने की दरकार है। इन बातों को समझने-समझाने के लिए यहां पर एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा हूँ। मसलन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार 20 फरवरी को कहा है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भारत में किसी और को सत्ता में लाना चाहते थे। साथ ही उन्होंने एक बार फिर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर आवंटित करने के बाइडन प्रशासन के फैसले पर सवाल उठाया। लिहाजा, इस मामले को लेकर भाजपा और कांग्रेस पुनः आमने-सामने आ गई हैं। दरअसल, ट्रंप ने गुरुवार को मियामी में एफआईआई प्राथमिकता शिखर सम्मेलन में ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि बाइडन प्रशासन भारत में किसी और को निर्वाचित करने की कोशिश कर रहा था। हमें भारत सरकार को बताना होगा। हैरतअंगेज है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अक्सर विदेश दौरे पर जाकर सार्वजनिक तौर पर भारत के लोकतंत्र में विदेशी ताकतों के हस्तक्षेप की मांग करते हैं। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ने फंडिंग की पुष्टि कर उनको मिल रही मदद पर मुहर लगा दी है। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने ट्रंफ को कोट करते हुए कहा कि हमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर खर्च करने की क्या जरूरत है। उनका बयान एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) द्वारा खुलासा करने के बाद आया है। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि यूएस एड से जुड़े ट्रप के दावे बेतुके हैं। इस पर केंद्र श्वेत पत्र जारी करे, जिसमें दशकों से यूएसएड की ओर से सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों को दिए गए सहयोग का विस्तृत विवरण हो।

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत और बांग्लादेश को करोड़ों डॉलर देने की क्या जरूरत है, जब एशिया अच्छा कर रहा है। ये सिर्फ कुछ फंडिंग हैं। सह सूची बहुत ही लंबी है। ऐसे में यह आवश्यक है कि भारत सरकार अमेरिका से पूरी सूची तलब करे और भारत के लोगों को पूरी जानकारी दे। इस पूरे मामले में शामिल लोगों की भूमिका की निष्पक्ष पड़ताल भी होनी चाहिए। इस बारे में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ठीक ही कहा है कि चुनाव आयोग को उन रिपोर्टों पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए कि अमेरिका ने भारत के चुनावों में मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमरीकी डॉलर खर्च किए हैं।

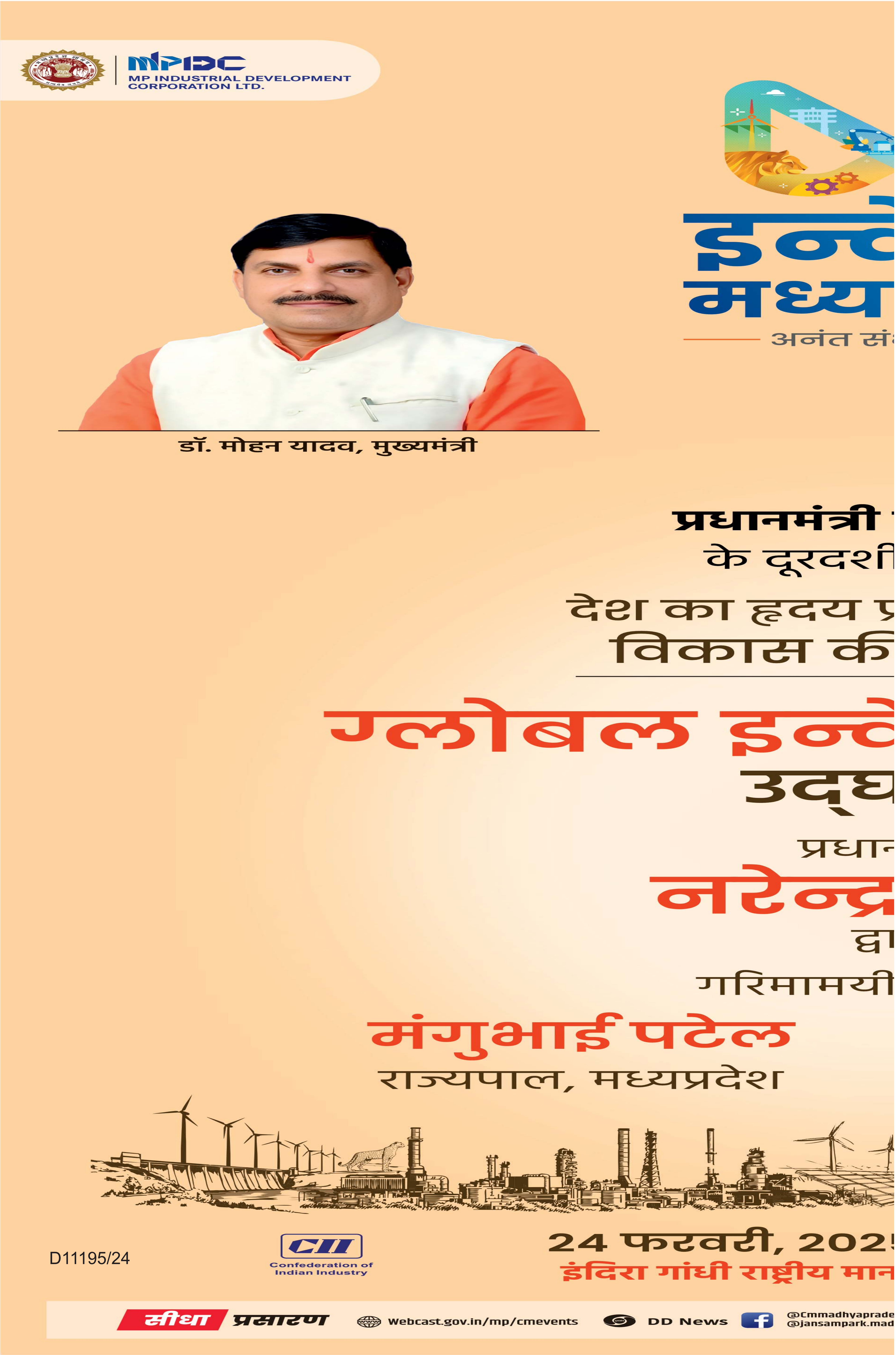
MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
प्रधानमंत्री
के
देश का हृदय
विकास
ग्लोबल
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश
D11195/24
CII
Confederation of Indian Industry
24 फरवरी,
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय
सीधा प्रसारण
webcast.gov.in/mp/cmevents
DD News

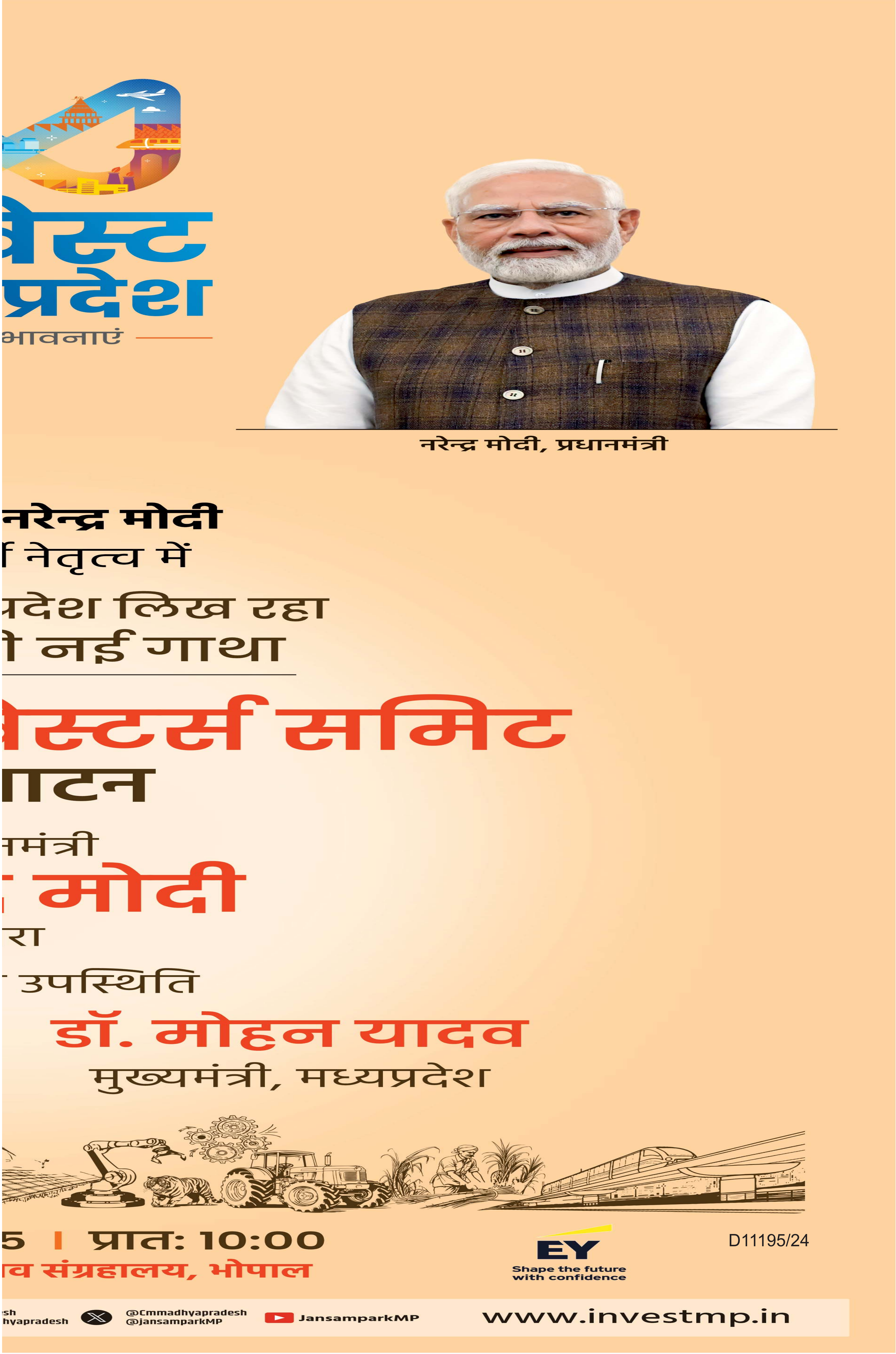

आकल्पन: म.प्र. माध्यम/2025

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, फोटोग्राफर की मौत

शादी समारोह में फोटो शूट कर लौट रहे थे घर, कैमरा ऑपरेटर घायल

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में दानिटोला घाट से पहले घुमावदार मोड़ पर कार की तेज रफ्तार ट्रक से टक्कर हो गई। जिसमें भिलाई पावर हाउस निवासी फोटोग्राफर नंदकिशोर वर्मा (38 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि उनके साथी खेमलाल सोना गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों दल्लीराजहरा रेलवे कॉलोनी में शादी समारोह कवर कर लौट रहे थे, तभी मोड़ पर उनकी कार सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। घटना बालोद-दल्ली मुख्य मार्ग पर बीती रात 2 बजे की है। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। बालोद थाने के पुलिसकर्मियों को करीब एक घंटे तक शव निकालने मशक्कत करना पड़ा।अपराध दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

भिलाई में ओम लक्ष्मी फोटो स्टूडियो चलाते थे नंदकिशोर: नंदकिशोर वर्मा भिलाई पावर हाउस में ओम लक्ष्मी फोटो स्टूडियो के मालिक थे। फोटोग्राफी उनका पैशन भी था और पेशा भी। वे शादी-ब्याह और अन्य कार्यक्रमों की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते थे। अपने स्टूडियो को और बेहतर बनाने और परिवार को अच्छी जिंदगी देने के लिए वे लगातार मेहनत कर रहे थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।

रुकने कहा- फिर भी नहीं रुके, अब पछतावा ही बचा: शादी समारोह के आयोजकों ने वीडियोग्राफर और फोटोग्राफर के रुकने की पूरी व्यवस्था की थी और नंदकिशोर वर्मा को भी रात में रुकने के लिए कहा गया था। लेकिन वे अपने फोटोग्राफर साथियों को वहीं ठहराकर मुख्य कैमरा ऑपरेटर खेमलाल सोना के साथ रात में ही निकल गए। परिजन बार-बार यही अफसोस जताते रहे कि काश वे रात में रुक जाते, तो यह हादसा न होता। हादसे के बाद पुलिस ने कार में रखा उनका कैमरा और अन्य सामान को थाने पहुंचा दिया।

नए घर में गृह प्रवेश की थी तैयारी, टाइल्स का काम चल रहा था: नंदकिशोर वर्मा ने हाल ही में लोन लेकर हाउसिंग बोर्ड में एक नया मकान खरीदा था। घर की मरम्मत और टाइल्स लगाने का काम चल रहा था। होली के आसपास गृह प्रवेश करने की योजना थी, लेकिन किसे पता था कि परिवार में खुशियों की जगह मातम छा जाएगा। परिवार वालों का कहना है कि नंदकिशोर का 2 वर्ष का बेटा है। इसलिए वे अपने नए घर को लेकर बेहद उत्साहित थे। वे कहते थे कि 'अब अपने परिवार को एक अच्छा घर दूंगा', लेकिन वह आधे रास्ते ही छोड़ गए।

हादसा घुमावदार मोड़ पर हुआ, ट्रक चालक फरार: दानिटोला घाट के पहले जहां हादसा हुआ, वह जगह बेहद घुमावदार है और पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। राहगीरों के मुताबिक, रात में बड़ी गाड़ी की रोशनी से आगे का रास्ता साफ दिखाई नहीं देता, और गाड़ियों की रफ्तार भी बेहत तेज होती है। यही हादसे की प्रमुख वजह बनती है।

तेज रफ्तार की वजह से हुआ हादसा: बालोद टीआई रविशंकर पांडेय का कहना है कि तेज रफ्तार की वजह से घटना हुई है। अपराध दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्थानीय लोग बोले- इस मोड़ पर कई हादसे हो चुके, प्रशासन अब जागे: स्थानीय लोगों का कहना है कि दानिटोला घाट के पास पहले भी कई सड़क हादसे हो चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि यहां रात में उचित रोशनी की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

प्रेमी से प्रताड़ित होकर प्रेमिका ने लगाई फांसी

प्रेमी ने कहा था-मेरे साथ रहना हो रहो,वरना मत रहो, गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में प्रेमिका ने प्रेमी से परेशान होकर साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। विवाद के दौरान बॉयफ्रेंड ने कहा था कि, तुम दूसरे लड़के से बात करती हो। इसलिए मेरे साथ रहना है तो रहो, वरना मत रहो। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना जूटमिल थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, कहरापारा निवासी अनुराधा साहू (19) जेल कॉम्पलेक्स रोड स्थित ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। 21 फरवरी की सुबह करीब 4 बजे परिजनों को उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटकती मिली। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई।

4 साल से था प्रेम प्रसंग: अनुराधा की सहेलियों से पूछताछ में पता चला कि, करीब 4 साल से उसका प्रदीप के प्रेम संबंध था। कुछ दिन पहले ही अनुराधा का प्रदीप के साथ विवाद हुआ था। प्रदीप ब्यूटी पार्लर में गाली-गालौज कर उसका स्कूटी ले गया था। इसके बाद गांधी गंज में प्रदीप ने युवती, मां और उसकी बहन को बुलाया। उन्हें कहने लगा कि अनुराधा दूसरे लड़कों से भी बात करती है।

मानसिक से रूप से युवती थी परेशान: इसके बाद अनुराधा की स्कूटी को लौटाते हुए कहा कि, मेरे साथ रहना तो रह, नहीं तो मत रहा कहकर चले गया। इससे युवती मानसिक रूप से परेशान थी। पुलिस ने जांच में पाया कि प्रदीप की प्रताड़ना से तंग आकर युवती ने आत्महत्या कर ली है।

आरोपी को पुलिस ने जेल भेजा: पुलिस ने तत्काल आरोपी के घर फटहामुड़ा प्रियदर्शी नगर में दबिश दी, जहां प्रदीप कुमार (25) को गिरफ्तार कर लिया। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 108 के तहत केस दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

जलेबी दुकान का विवाद हाईकोर्ट पहुंचा

निगम ने लीज की निरस्त, दुकानदार ने मनमानी का आरोप लगाया, 27 फरवरी को सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर के इमलीपारा रोड पर स्थित राजस्थान जलेबी की दुकान का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। नगर निगम ने सड़क चौड़ीकरण के लिए दुकान की लीज निरस्त कर दी थी। दुकान संचालक सीताराम माटोलिया ने इस कार्रवाई को चुनौती दी है।

निगम का कहना है कि दुकान संचालक नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। वे सड़क पर सामान रखकर यातायात बाधित कर रहे थे। इसलिए निगम ने कार्रवाई करते हुए सामान जब्त किया और पेनाल्टी लगाई।

दूसरी तरफ, दुकान संचालक का आरोप है कि निगम ने मनमानी करते हुए दुकान के बाहर रखे डस्टबिन, भट्ठी और कड़ाही को जब्त कर लिया। पेनाल्टी भरने के बाद भी सामान वापस नहीं किया गया।

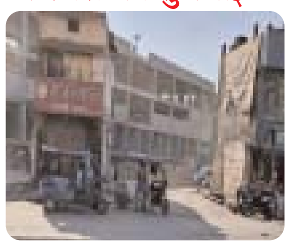

हाईकोर्ट ने मामले में दोनों पक्षों से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 27 फरवरी को होगी।

66 दुकानों पर हो चुकी है कार्रवाई: इमलीपारा फोरलेन रोड के चौड़ीकरण के लिए निगम पहले ही 66 दुकानों को हटा चुका है। याचिकाकर्ता का कहना है कि निगम अधिकारियों ने व्यवस्थित पुनर्वास का आश्वासन दिया था। लेकिन अब वे अपने वादे से मुकर रहे हैं। व्यापारियों के साथ हुए समझौते की भी अनदेखी की जा रही है।

महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार खाई में गिरी

भिलाई के बुजुर्ग महिला की मौत, 6 गंभीर, जबलपुर में चल रहा इलाज

मीडिया ऑडीटर, भिलाई (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के भिलाई का रहने वाला परिवार मध्यप्रदेश में सड़क हादसे का शिकार हो गया। महाकुंभ स्नान कर लौटते समय उनकी कार खाई में गिर गई। हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि 6 लोगों की हालत गंभीर है। जिन्हें इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, भिलाई के रिसाली निवासी सिकदार परिवार 19 फरवरी को अर्टिगा कार सीजी 07 पीएस 3173 से महाकुंभ स्नान करने प्रयागराज गया था। 20 फरवरी को सभी लोग कुंभ स्नान कर शहडोल-पंडरिया मार्ग से होते हुए भिलाई लौट रहे थे।

बेकाबू कार पेड़ से टकराई, फिर खाई में गिरी: इसी तरह तरच गांव के पास उनकी कार बेकाबू होकर पेड़ से टकराई, फिर खाई में जा गिरी। कार में ड्राइवर समेत 7 लोग सवार थे। हादसे की सूचना पर मध्य प्रदेश की बजाग पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस 108 और डायल 100 की टीम की मदद से सभी घायलों को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बजाग भेजा।

एक की मौत, 3 की हालत गंभीर: बजाग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जांच के बाद 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला राखी सिकदार को मृत घोषित कर दिया गया है। बाकी सभी घायलो को जबलपुर रेफर किया गया है। इसमें तीन महिला और तीन पुरुष शामिल हैं। तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

सेक्टर-9 हॉस्पिटल में नर्स थी बुजुर्ग महिला: राखी सिकदार भिलाई स्टील प्लांट की तरफ से संचालित सेक्टर-9 हॉस्पिटल में नर्स थी। वो वहां से रिटायर हो गई थी। सड़क हादसे में मौत के बाद उसके शव को भिलाई सेक्टर-9 हॉस्पिटल के मॉर्चुरी में रखा गया है। ऐसा कहा जा रहा है कि, घायलों की हालत ठीक होने के बाद शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बाल संप्रेक्षण गृह से 3 बच्चे फरार

देर रात दीवार फांदकर भागे, दोपहर तक नहीं मिला कोई सुराग

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। अंबिकापुर के गंगापुर स्थित बाल संप्रेक्षण गृह से 3 अपचारी बालक शनिवार रात दीवार फांदकर भाग निकले। इसकी मौखिक सूचना गांधीनगर पुलिस को दे दी गई है। तीनों नाबालिग सूरजपुर और सरगुजा जिले के हैं। दोपहर बाद तक तीनों का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

जानकारी के मुताबिक, गंगापुर में संचालित बाल संप्रेक्षण गृह के तीन अपचारी बालक रात में कमरे से बाहर निकलकर किसी तरह परिसर के अहाते के पास पहुंच गए। तीनों अहाता फांदकर भाग निकले। इसकी जानकारी बाल संप्रेक्षण गृह के अधिकारी-कर्मचारियों को सुबह लगी।

जगह-जगह खोजबीन, नहीं मिल सुराग: अपचारी बालकों की तलाश में पुलिस ने बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन समेत कई जगहों पर खोजबीन की, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। जो अपचारी बालक फरार हुए हैं, उनमें से दो सूरजपुर जिले और एक सरगुजा जिले का है। उनके खिलाफ क्या अपराध दर्ज थे, इसकी जानकारी पुलिस नहीं दे सकी है।

सुरक्षा पर उठे सवाल: बाल संप्रेषण गृह से अपचारी बालकों के फरार होने की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। यहां संभाग के सभी जिलों के अपचारी बालक हैं। इस घटना से दोबारा संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

रायपुर की इस्पात कंपनी से 3 करोड़ की धोखाधड़ी

25000 टन आयरन सप्लाई करने लिया था एडवांस पेमेंट, ओडिशा के माइंस संचालक पर एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के निजी इस्पात कंपनी से 3 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कंपनी की शिकायत पर तिल्दा नेवरा पुलिस ने ओडिशा के आयरन और माइंस कंपनी के संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है।

दरअसल, बजरंग पावर इस्पात कंपनी के डायरेक्ट प्रदीप तिवारी ने ओडिशा के सुलेपत आयरन और माइंस को 25000 मैट्रिक टन लोह अयस्क सप्लाई करने का ऑर्डर दिया था। लेकिन माइंस के मालिक विराट चन्द्र डागरा ने आयरन की पूर्ति नहीं की गई। एडवांस का पेमेंट भी वापस नहीं किया।

एक साल पहले दिया गया था ऑर्डर: कंपनी के डायरेक्टर ने अपनी लिखित शिकायत में बताया कि, सुलेपत आयरन और माइंस से 5100 रुपए प्रति मैट्रिक टन के रेट से 25000 मैट्रिक टन आयरन देने पर सहमति बनी थी। इसके लिए दोनों ही कंपनी की जरुरी कागजी कार्रवाई भी की।

माइंस के मालिक विराट चन्द्र ने लौह अयस्क सप्लाई के लिए डिप्टी डायरेक्टर ऑफ माईन्स सर्कल की ओर से एक सहमति पत्र भी 14 फरवरी 2023 को भेजा था। लेकिन जो सहमति पत्र बजरंग इस्पात को भेजा गया उसमें किसी प्रकार का बिल अटैच नहीं था।

कंपनी को इस बात का संदेह हुआ तब विराट चन्द्र डागरा ने आश्वास्त कर गारंटी दी कि संबंधित प्राधिकारी को जरुरी दस्तावेज दिए गए हैं। वो जल्द आयरन भेजेंगे। बजरंग इस्पात ने 17 फरवरी 2023 को कंपनी के खाते में 3 करोड़ 90 हजार रुपए भुगतान किया। ट्रांजेक्शन होने के बाद माइंस के मालिक को वॉट्सऐप मैसेज के जरिए जानकारी भी दी।

लगातार देता रहा आश्वासन: एडवांस पेमेंट के बाद माइंस के मालिक विराट चन्द्र डागरा जल्द ऑर्डर भेजने की बात कहता था। लंबे समय बाद आयरन की सप्लाई नहीं करने पर बजरंग इस्पात ने अपने पैसे वापस मांगे, तो उसने जवाब देना बंद कर दिया। जिसके बाद तिल्दा नेवरा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

युवक ने कार में लगाई आग

दुकान और बाइक पर भी छिड़का केरोसिन, नशे में वारदात को दिया अंजाम, हिरासत में युवक

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में घर के बाहर खड़ी कार में एक युवक ने मिट्टी तेल छिड़ककर आग लगा दिया। साथ ही, कार के पास खड़ी बुलेट और दुकान को भी आग के हवाले करने की तैयारी थी, लेकिन मोहल्लेवासियों ने देख लिया। इससे बड़ी घटना टल गई। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना जूटमिल थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक मौदहापारा में रहने वाले 29 साल के दुर्गेश साहू उर्फ सोनू की घर के पास उसकी कोल्ड ड्रिंक की दुकान है। हर दिन की तरह शनिवार की रात को दुकान बंद कर घर चला गया।

उसकी आर्टिगा कार क्रमांक सीजी 13 एएम 9414 दुकान के पास खड़ी थी। तभी रात में दो युवक आए। एक युवक ने कार, दुकान और बुलेट में मिट्टी तेल छिड़का।

इसके बाद कार को आग लगा दी, लेकिन तभी मोहल्ले के किसी ने देख लिया और चिल्लाने लगा। तब वे भाग गए। इसके बाद मोहल्लेवासियों की आवाज सुनकर सोनू और उसके परिजन घर से बाहर निकले और कार में लगी आग को किसी तरह बुझाया गया।

आग को समय पर बुझा लिया: इससे कार के पीछे का कुछ हिस्सा और उसके ऊपर लगाया गया कवर ही आग की चपेट में आया। समय रहते आग को बुझा लिया गया, नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी। इसके बाद तत्काल मामले की सूचना जूटमिल पुलिस को दी गई।

एक संदिग्ध पकड़ाया: सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध एक युवक को पुलिस ने हिरासत में लिया। दूसरा युवक भाग गया। बताया जा रहा है कि युवक धरमजयगढ़ में जेसीबी चलाने का काम करता है और यह भी बताया जा रहा है कि वह युवक काफी नशे में था।

मामले में पुलिस जांच कर रही: इस संबंध में जूटमिल थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज ने बताया कि एक युवक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। रात में वह काफी नशे में था और नशे में उसने घटना को अंजाम दिया है। फिलहाल मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है। अभी कार में आग लगाने का कारण पता किया जा रहा है।

400 फीट उंचाई से कांवड़ पर मरीजों को उतार रहे

रायगढ़ के पहाड़ पर कोरवा बस्ती के 250 परिवार, ना सड़क ना कोई सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में 400 फीट उंचाई से मरीजों को कांवड़ के सहारे नीचे उतारने को मजबूर हैं। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। ये वीडियो रायगढ़ से करीब 140 किलोमीटर दूर एक गांव का है। जहां कोरवा बस्ती के 250 परिवार रहते हैं। लेकिन यहां ना तो सड़क है ना कोई सुविधा।

जानकारी के मुताबिक, इस गांव का नाम छुहीपहाड़ है, जो कि धरमजयगढ़ विधानसभा क्षेत्र के क्रिंधा पंचायत में आता है। गांव जमीन से लगभग 350 से 400 फीट ऊपर है। दो दिन पहले कोरवा जाति के चमरू राम कोरवा की तबीयत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाना जरूरी था लेकिन कोई सुविधा नहीं होने के कारण उसे कांवड़ पर बैठाया गया।

करीब 250 परिवार पहाड़ में बसे: ग्रामीणों ने बताया कि, छुहीपहाड़ बस्ती से क्रिंधा अस्पताल 7-8 किमी दूर है। यहां तकरीबन 200 से 250 परिवार रहते हैं। इसमें यादव समाज के करीब 10-15 परिवार और उरांव समाज के करीब 20-25 परिवार के लोग बसे हुए हैं। पहाड़ के उपर कोरवा जाति के लोगों की जनसंख्या अधिक हैं और लंबे समय से वे इस पहाड़ पर रह रहे हैं।

नहीं चढ़ पाता बाइक या चार पहिया वाहन: बताया जा रहा है कि, पहाड़ पर चढ़ने-उतरने के लिए रास्ता कच्चा है और बाइक ही बड़ी मुश्किल से जाती है। खाई की तरह रास्ता होने के कारण उतरने में भी परेशानियां होती है। इसलिए वाहनों से कोई आना जाना नहीं करता। एंबुलेंस तो पहाड़ के ऊपर पहुंच ही नहीं पाती।

सोलर लाइट खराब, जर्जर भवन में पढ़ाई: बताया जा रहा है कि 2010 में सोलर पैनल लगाया गया था और जिन लोगों के पास राशनकार्ड था उनके घरों में सोलर लाइट की सुविधा दी गई। आज यह हालत है कि, कई घरों की सोलर लाइट खराब हो चुकी है। लोग चिमनी या लालटेन के सहारे रहते हैं।

क्रिंधा पंचायत के राहुल यादव ने बताया कि, शिक्षा के नाम पर भी इस गांव में बहुत कुछ नहीं है। एक सरकारी प्राइमरी स्कूल है, जिसका भवन भी काफी पुराना और जर्जर हो गया है। उसी जर्जर स्कूल भवन में मरम्मत कर बच्चे पढ़ाई करते हैं।

विधायक बोले- नीचे आना ही नहीं चाहते: धरमजयगढ़ विधानसभा के विधायक लालजीत राठिया से जब हमने बात की, तो उन्होंने बताया कि वह क्षेत्र सरगुजा जिले का बॉर्डर है। एक बार वहां हाथी आया था तब पहाड़ में बसे लोगों को नीचे आकर रहने कहा गया था। उन्हें बताया गया था कि, शासन के नियम मुताबिक उन्हें मकान बनाकर दिया जाएगा, लेकिन वे पहाड़ से नीचे नहीं आना चाहते। जबकि नीचे में सड़क, पानी, अस्पताल सब की सुविधा है।

मौके का जायजा लिया जाएगा: वहीं, धरमजयगढ़ एसडीएम धनराज मरकाम ने बताया कि, छुहीपहाड़ गांव पहाड़ के ऊपर है। चुनाव के बाद मौके का जायजा लिया जाएगा। जो भी परेशानी होगी उसका समाधान किया जाएगा।

'धर्मांतरण, लव-जिहाद और गौ-हत्या पर कानून बनाए सरकार'

सांसद बृजमोहन ने राज्यपाल और सीएम को लिखा पत्र, कहा- कांग्रेस की शह पर मतांतरण कराया गया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने धर्मांतरण, लव जिहाद और गौ-हत्या रोकने के लिए राज्यपाल रामेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा है। उन्होंने दोनों पर कड़े कानून के प्रावधान लागू करने की मांग की है।

राज्यपाल को भेजी चिट्ठी में कहा कि, इसी बजट सत्र में नए कानून बनाकर लागू किया जाए। उन्होंने कांग्रेस की शह पर धर्मांतरण-मतांतरण को बढ़ावा दिए जाने का भी दावा किया है।

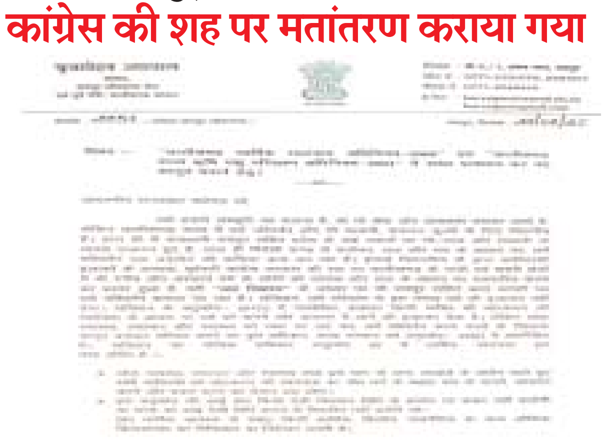

पत्र में क्या-क्या लिखा है: राज्यपाल रामेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को भेजी चिट्ठी में बृजमोहन अग्रवाल ने लिखा है कि, धर्म हमारी संस्कृति की आधारशिला है। गौ सेवा इसका अभिन्न अंग है। लेकिन हाल ही में छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण और गौ तस्करी के मामले सामने आए हैं, जो सनातन मूल्यों के लिए एक गंभीर चुनौती हैं।

विदेशी फंडिंग के जरिए प्रलोभन, छल और भय के आधार पर धर्मांतरण को एक उद्योग के रूप में संचालित किया जा रहा है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की शह पर न केवल आदिवासी इलाकों में बल्कि छत्तीसगढ़ के गांवों और शहरी क्षेत्रों में भी ईसाई मिशनरियों ने गरीब और असहाय वर्ग के लोगों को लालच देकर मतांतरण कराया है।

साथ ही, लव जिहाद के मामलों में भी बढ़ोतरी देखी गई है। जिसमें रायपुर समेत राज्य के कई हिस्सों में षड्यंत्रपूर्वक धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। संविधान के अनुच्छेद 25(1) के अनुसार, हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता है, लेकिन अनुच्छेद 25(2) के तहत राज्य को यह अधिकार है कि वो लोक व्यवस्था, सदाचार और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए धर्म परिवर्तन के अवैध कार्यों पर रोक लगाने के लिए कठोर कानून बना सके।

चार नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार और रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा के मार्गदर्शन में 20 फरवरी को मनेंद्रगढ़ जनपद पंचायत में पंचायत निर्वाचन के तहत मतदान और मतगणना की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मतगणना के परिणाम स्वरूप त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 अन्तर्गत विकासखण्ड मनेंद्रगढ़ के क्षेत्र क्रमांक 05 (केल्हारी) से अनीता सिंह श्याम ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी डॉ. विनय शंकर सिंह को हराकर जिला पंचायत सदस्य पद पर जीत दर्ज की। वहीं निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 06 (ताराबहरा) से उजित नारायण सिंह ने अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी शरण सिंह को मात देकर विजय हासिल की।

हेनरी और गौड़ के दमदार प्रदर्शन से यूपी वारियर्स का इस सत्र में खुला खाता, दिल्ली कैपिटल्स को हराया

बेंगलुरू (एजेंसी)। चिनेले हेनरी (62) ने टूर्नामेंट के सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि क्रांति गौड़ और ग्रेस हैरिस ने चार चार विकेट लिये जिसके दम पर यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र में पहली जीत दर्ज करते हुए शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 33 रन से हराया। वेस्टइंडीज की हेनरी ने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 62 रन बनाये जिससे यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 177 रन बनाये। जवाब में दिल्ली की टीम 19.3 ओवर में 144 रन ही बना सके। 21 वर्ष की गौड़ ने दिल्ली के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों शेफाली वर्मा (24), मेग लैनिंग (पांच), जेमिमा रौड्रिग्स (56) और बाद में जेस जोनासेन (5) को आउट किया। उन्होंने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट चटकाये। इससे पहले एक समय पर यूपी के छह विकेट 14 ओवर में 91 रन पर गिर चुके थे। वेस्टइंडीज की

दाहिने हाथ की बल्लेबाज हेनरी ने अरूंधति रेड्डी को 19वें ओवर में तीन छक्के लगाकर 18 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने गुजरात जाइंट्स की सोफिया डंकली के रिकॉर्ड की बराबरी की।

जिन्होंने 2023 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ यह कारनामा किया था। आठवें नंबर पर उतरी हेनरी की इस पारी के दम पर यूपी ने दमदार स्कोर बनाया जबकि उसके विशेषज्ञ बल्लेबाज कुछ कर पाने में नाकाम रहे थे। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की ताजा पिच पर दिल्ली के गेंदबाजों ने यूपी के छह विकेट 89 रन पर निकाल दिये थे। यूपी के लिये किरण नवगिरे ने 20 गेंद में 17 रन बनाये। इससे पहले मरियाने काप ने वृंदा दिनेश (4) को सस्ते में आउट किया। जेस जोनासेन ने दीप्ति शर्मा (13) और ताहलिया मैकग्रा (24) के विकेट लिये जबकि काप ने 13वें ओवर में ग्रेस हैरिस (2) को पवेलियन भेजा।

फील्डर नंबर 1 बनने के करीब हैं विराट कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का महामुकाबला दुबई में 23 फरवरी को खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पास एक महारिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका है। वैसे तो कोहली शानदार बल्लेबाज हैं और सब यही उम्मीद कर रहे हैं कि वो पाकिस्तान के खिलाफ फिर से शानदार पारी खेलें, लेकिन इस मैच के दौरान अगर एक कैच पकड़ लेते हैं तो वनडे फॉर्म में भारत के फील्डर नंबर 1 बन जाएंगे। विराट कोहली ने अब तक अपने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट करियर में खेले 298 मैचों में 156 कैच पकड़े हैं तो वहीं टीम इंडिया के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजरुद्दीन ने अपने वनडे क्रिकेट करियर में 334 मैचों में 156 कैच लपके थे। अब कोहली पाकिस्तान के खिलाफ जैसे ही एक कैच पकड़ेंगे वो भारत की तरफ से वनडे प्रारुप में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बन जाएंगे। इस वक्त भारत की तरफ से वनडे में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में कोहली और अजरुद्दीन संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। भारत की तरफ से वनडे में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 463 मैचों में 140 कैच पकड़े थे।

कोहली का एक ही तरह की गेंदबाजी पर आउट होना चिंता का विषय

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुनील गावस्कर का मानना है विराट कोहली का लगातार एक ही तरह से आउट होना भारत के लिए चिंता का विषय है जो 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की कवायद में लगा है। ऑस्ट्रेलिया दौरे में 36 वर्षीय कोहली तेज गेंदबाजों की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों पर आउट हुए। वह चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 22 रन बनाकर आउट हो गए थे। वनडे में कोहली को लगातार छह बार स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया है। वह इंग्लैंड के खिलाफ हाल में वनडे श्रृंखला के दौरान लेग स्पिनर आदिल रशीद के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए थे। गावस्कर ने इंडिया टुडे से कहा, '' यह काफी हद तक इस वजह से है कि उनके बल्ले का फेस खुला रहता है। ऑस्ट्रेलिया में जब वह तेज गेंदबाजों का सामना कर रहे थे तब भी ऐसा हो रहा था।'' उन्होंने कहा, ''उनके बल्ले का फेस खुला रहता है और वह कवर में खेलने का प्रयास करते हैं।

बल्ले का फेस खुला होने के कारण वह परेशानी में पड़ रहे हैं। उन्हें इस पर ध्यान देने की जरूरत है।'' कोहली बांग्लादेश के खिलाफ कलाई के स्पिनर रिशाद हुसैन की गेंद को कट करने के प्रयास में बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच दे बैठे थे। गावस्कर ने कहा, ''रिशाद की टर्न लेती गेंद पर भी उनके बल्ले का फेस खुल गया था। उन्हें इस पर लगाम कसनी होगी। लेकिन अगर वह लगातार एक ही तरह की गेंदबाजी पर आउट हो रहे हैं तो यह थोड़ा चिंता का विषय है।''

मैच में बज गया भारत का राष्ट्रगान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हाई-ऑक्टेन मुकाबले से पहले, गलती से ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रगान की जगह भारतीय राष्ट्रगान बजा दिया गया। इस पल ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों और प्रशंसकों को हैरान कर दिया। हालांकि, बाद में आयोजकों को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसे ठीक किया गया। आयोजकों की गलती काफी अजीब थी, क्योंकि टीम इंडिया को पूरे टूर्नामेंट के दौरान पाकिस्तान में मैच नहीं खेलना है। यह जानना दिलचस्प है कि भारत ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया और चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मैच दुबई में खेल रहे हैं। इस गलती की क्लिप तेजी से पूरे सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, कई प्रशंसकों ने इस पर अपनी राय व्यक्त की है। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय राष्ट्रगान को छोटा करने से पहले केवल कुछ सेकंड के लिए बजाया गया और अंततः ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रगान बजाया गया। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेल की बात करें तो यह दोनों पक्षों के लिए टूर्नामेंट का पहला गेम है और ग्रुप बी में दूसरा गेम है। चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हो रहा है, और दोनों टीमें टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करने की उम्मीद करेंगी। विशेष रूप से, ऑस्ट्रेलिया अपनी टीम को मिली कई पराजयों के बाद प्रतियोगिता में आया है।

हार्दिक पंड्या ने कहा, मैंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हरफनमौला हार्दिक पंड्या को लगता है कि पिछले साल वेस्टइंडीज में आईसीसी टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद उन्होंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है। पंड्या को पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान नियुक्त किया गया था। वह गुजरात टाइटंस को छोड़कर वापस मुंबई की टीम से जुड़े थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस के प्रशंसकों ने लगातार उनको निशाने पर रखा था। पंड्या ने हालांकि इस नकारात्मकता को पीछे छोड़कर अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20

विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत 2007 के बाद पहली बार इस प्रतियोगिता को जीतने में सफल रहा। पंड्या ने इस टूर्नामेंट में 144 रन बनाने के साथ 11 विकेट भी लिए। पंड्या ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा सोशल मीडिया पर जारी किए गए वीडियो में कहा, ''मेरे लिए जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है। मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैंने उन्हें (प्रशंसकों का दिल) वापस जीत लिया है।'' भारत अभी चैंपियंस ट्रॉफी में भाग ले रहा है और हार्दिक ने कहा कि खिलाड़ियों का ध्यान अब एक और ट्रॉफी जीतने पर लगा है। उन्होंने कहा, ''अब नया साल है, एक नया टूर्नामेंट है और नई चुनौतियां हमारा इंतजार कर रहे हैं। फिर से चैंपियन बनने की कवायद शुरू हो गई है।'' हार्दिक ने कहा, ''आज हम फिर से नई शुरुआत करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। हम एक और दिन में एक और प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए उतरेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी में एक और अध्याय हमारा इंतजार कर रहा है। इसलिए एक ऐसे मुकाबले के लिए तैयार हो जाइए जिसको किसी तरह के परिचय की जरूरत नहीं है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का सबसे बड़ा मुकाबला आज दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। दोनों टीमों के बीच मुकाबला कुछ ही देर में शुरू होगा। इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को 6 विकेट से रौंदा तो पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के हाथों करारी शिकस्त देखने को मिली। रोहिथ ब्रिगेड अब रविवार को लगातार दूसरी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल की दावेदारी पुख्ता करना चाहेगी। भारत की नजर साथ ही चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में मिली हार का हिसाब बराबर करने पर होगी।

पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया ने तैयार किया खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार 23 फरवरी को दुबई में होने वाले भारत और पाकिस्तान मुकाबले से पहले टीम इंडिया के उपकप्तान शुभमन गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ खास तैयारियों को लेकर कई राज खोले। वहीं गिल ने बताया कि वायरल के कारण ऋषभ पंत ने अभ्यास नहीं किया। मीडिया से मुखातिब होने के दौरान शुभमन गिल ने कहा कि दुबई की परिस्थितियों को देखते हुए 30 से ज्यादा का स्कोर एक बहुत अच्छा स्कोर है। चारों ओर ओस नहीं होने के कारण, दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम ज्यादा दबाव में होगी। गिल ने आगे कहा कि, हम निश्चित रूप से सकारात्मक और आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहते हैं। इस विकेट पर 300-325 का स्कोर बहुत अच्छा होगा। बीच के ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी करने वाली टीम के जीतने की बेहतर संभावना होगी। भारत ने बांग्लादेश को हराकर टूर्नामेंट में अपने अभिया का आगाज किया। जबकि पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। दुबई में ओस ने बड़ी भूमिका निभाई है, लेकिन गिल ने कहा कि इसका कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले मनु भाकर ने टीम इंडिया को दिया स्पेशल मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल यानी 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का सबसे रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा। ये हाई वोल्टेज मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों ही मुल्कों के फैंस चाहते हैं कि उनकी टीम इस मुकाबले को जीते। वहीं पेरिस ओलंपिक 2024 में 2 मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर ने भारतीय टीम को स्पेशल मैसेज दिया है।

मनु भाकर ने कहा कि, मैच हो जाए, देखते हैं चीयर करेंगे मस्त टीवी के सामने बैठकर। मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन करे और हम बस चीयर केरंगे उनके लिए। हमारे एथलीट को ऑल द बेस्ट।

भारतीय क्रिकेट टीम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बीच अब तक 135 वनडे खेले गए हैं। इस दौरान भारत ने 57 और पाकिस्तान ने 73 मुकाबले जीते हैं। 5 मुकाबले बेनतीजा रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान के बीच 5 बार टक्कर हुई है। इस दौरान पाकिस्तान ने 3 मुकाबलों पर कब्जा जमाया है।

वहीं भारतीय टीम सिर्फ 2 ही मैच जीत सकी है। ऐसे में भारत के पास जीत के साथ 3-3 की बराबरी करने का मौका है। अगर टीम रविवार को पाकिस्तान को हरा देती है तो पाक टीम का सेमीफाइनल खेलने का सपना भी टूट सकता है।

डकेट ने चैंपियंस ट्रॉफी में रचा बड़ा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाहौर में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मुकाबला खेला जा रहा है। उन्होंने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की बखिया उधेड़ी और जबर्दस्त कारनामा अंजाम दिया। डकेट ने चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास की सबसे बड़ी पारी खेलने का कमाल किया है। उन्होंने 143 गेंदों में 17 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 165 रन बनाए। चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार किसी बल्लेबाज ने 150 रनों का आंकड़ा छुआ है। डकेट से पहले टूर्नामेंट में सबसे बड़ी पारी का रिकॉर्ड नाथन एस्टल और एंडी फ्लावर के नाम दर्ज था।

डकेट ने दो दशक पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाला है। न्यजीलैंज के पूर्व सलामी बल्लेबाज एस्टल ने 2004 में आयोजित चैंपियंस ट्र्ॉफी में 151 गेंदों में नाबाद 145 रन बनाए थे, जिसमें 12 चौके और 6 छक्के शामिल थे। उन्होंने ये पारी द ओवल स्टेडियम में संयुक्त राज्य

अमेरिका के खिलाफ खेली थी। वहीं, जिम्बाब्वे के पूर्व धाकड़ क्रिकेटर एंडी फ्लावर ने 2002 में भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में 164 गेंदों में 145 रन जुटाए थे। उन्होंने 13 चौके मारे थे। उनके बाद लिस्ट में पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली (नाबाद 141, साउथ अफ्रीका के खिलाफ), महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (141, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) और साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ (141, इंग्लैंड के खिलाफ)हैं। वहीं मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 351 रन बनाए हैं। इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिल साल्ट (10) दूसरे ओवर में बेन ड्वार्शुइस का शिकार बन गए। विकेटकीपर जेमी स्मिथ (15) का बल्ला भी नहीं चला। ऐसे में डकेट और जो रूट ने बखूबी मोर्चा संभाला।

दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 158 रनों की दमदार साझेदारी की। रूट ने 78 गेंदों में चार चौकों की मदद से 68 रन बनाए। उन्हें एडम जम्बा ने 31वें एवर में एलबीडब्ल्यू किया। हैरी ब्रूक (3) सस्ते में आउट हुए। कप्तान जोस बटलर ने 23 और लियाम लिविंगस्टोन ने 14 रन का योगदान दिया। डकेट को मार्नस लाबुशेन ने 48वें ओवर में पवेलियन भेजा।

चैंपियंस ट्रॉफी के महामुकाबले में से पहले जानिए दुबई की पिच रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की सबसे बड़ी टक्कर भारत और पाकिस्तान के बीच आज होगी। दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए दुबई क्रिकेट स्टेडियम के मैदान पर उतरेगी। भारतीय क्रिकेट टीम दुबई में वनडे में अब तक अजेय रही है। टीम को यहां एक भी हार नहीं मिली है। तो वहीं, पाकिस्तान के नजरिए से देखें तो उसके लिए भारत के खिलाफ यह मैच करो या मरो का हो चुका है। क्योंकि टीम अपना पहला मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ हार चुकी है। ऐसे में भारतीय टीम के खिलाफ भी पाकिस्तानी टीम को हार मिलती है तो फिर वह सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो जाएगी। दुबई में होने वाले इस महामुकाबले के लिए फैंस में गजब का उत्साह है। ऐसे में यहां की पिच का मिजाज कैसा रहेगा इसे जानना जरूरी है। दुबई की पिच की

बात करें तो यह बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। हालांकि, नई गेंद से तेज गेंदबाजों को शुरुआती सफलता मिलने की उम्मीद रहती है, लेकिन पिच पुरानी होने के साथ-साथ स्पिन गेंदबाज धीरे-धीरे हावी होने लगते हैं। ऐसे में रन बनाने के लिए बल्लेबाज को पिच पर समय बिताना होगा। दुबई की पिच पर अब तक 59 वनडे मैच खेले गए हैं। जिसमें 35 मैचों में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत मिली है। ऐसे में यह साफ है कि टॉस जीतने वाली टीम की पहली पसंद पहले गेंदबाजी करने का होगा। इसके अलावा दुबई में टीम इंडिया का रिकॉर्ड भी बहुत शानदार है। भारतीय टीम यहां 7 वनडे मैच खेली है, जिसमें से उसे 6 में जीत मिली है जबकि एक मैच टाई रहा है। वहीं पाकिस्तान के लिए यह मैदान कुछ खास नहीं रहा है। पाकिस्तानी टीम दुबई में 22 वनडे खेल चुकी है, जिसमें उसे सिर्फ 8 में जीत मिली है जबकि 13 मुकाबलो में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

दोनों टीमें

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह।

पाकिस्तान- बाबर आजम, इमाम-उल-हक, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर/कप्तान), सलमान आगा, तैयब ताहिर, खुशदिल शाह, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ, अबरार अहमद, कामरान गुलाम, फहीम अशरफ, मोहम्मद हसनैन, उस्मान खान।

पिंडरा-बरुआ मार्ग की खस्ता हालत पर पीडब्ल्यूडी मंत्री सख्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में शनिवार को एक दिवसीय प्रवास पर आए प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने गुणवत्ताहीन सड़क निर्माण को लेकर कड़ा रुख अपनाया। मझगवां ब्लॉक में एक सड़क के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार ने एक गंभीर मामला उठाया।

विधायक ने बताया कि पिंडरा से बरुआ तक बनी सड़क महज तीन महीने में ही क्षतिग्रस्त हो गई है। यह

सुनते ही मंत्री राकेश सिंह ने मंच से ही नाराजगी जताते हुए तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए। उन्होंने मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि सब इंजीनियर और ठेकेदार के खिलाफ जांच की जाए।

मंत्री ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि तीन महीने में ही सड़क की ऐसी स्थिति बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी स्तर की लापरवाही को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

मैहर में अब तक 47 लाख 30 हजार से भी अधिक दर्शनार्थियों ने किये मां शारदा देवी के दर्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर मा शारदा मंदिर दर्शन के लिए लगातार प्रयागराज महाकुंभ मेले के दौरान प्रतिदिन लाखों की संख्या में दर्शनार्थी प्रशासनिक व्यवस्था के साथ सुगमता से माता के दर्शन प्राप्त कर रहे है। 12 जनवरी 2025 से 22 फरवरी 2025 तक 43 दिनों में लगभग 47 लाख 30 हजार दर्शनार्थीयो ने मैहर पहुंच कर मां शारदा देवी के दर्शन किये। इसके अलावा विशेष पर्व 26 जनवरी को 1 लाख 50 हजार एवं 27 जनवरी को 2 लाख 64 हजार 395 से अधिक दर्शनार्थियों ने माता के दर्शन प्राप्त किए। इसके बाद 30 जनवरी को 2 लाख 40 हजार एवं 31 जनवरी को 2 लाख 60 हजार दर्शनार्थियों ने दर्शन किये। इसी प्रकार फरवरी माह में 3 फरवरी को

विशेष मुंडन मुहूर्त पर 1 लाख 30 हजार, 10 फरवरी को 1 लाख 61 हजार एवं 17 फरवरी को 1 लाख 52 हजार दर्शनार्थियों ने दर्शन किए। इसके अलावा पिछले शनिवार 15 फरवरी को 1 लाख 17 हजार 775 एवं रविवार 16 फरवरी को 1 लाख 36 हजार 509 दर्शनार्थियों ने दर्शन किये। इस शनिवार 22 फरवरी को 1 लाख 16 हजार तथा 23 फरवरी को 1 लाख 20 हजार दर्शनार्थीयो ने शाम 6 बजे तक प्रशासनिक व्यवस्था के साथ मां शारदा देवी के दर्शन किये। इस दौरान प्रशासन ने मंदिर के गर्भगृह के पट खोलने और बंद करने के समय में बदलाव करते हुए प्रातः 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक दर्शन के लिए व्यवस्था की गई है।

किसान की करंट लगने से मौत

सिंचाई करते समय रात में हुआ हादसा, सुबह खेत में मिला शव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई है। कुशमी ब्लॉक के गैवटा गांव में रहने वाले 45 वर्षीय रामखेलावन सिंह शनिवार शाम को अपने खेत में गेहूं की फसल की सिंचाई कर रहे थे।

वे देवरी बांध की नहर से इलेक्ट्रिक मोटर पंप से खेत में पानी भर रहे थे। रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने सुबह तक इंतजार किया। रविवार सुबह परिजनों और ग्रामीणों को रामखेलावन का शव नहर की मेड़ पर मिला। उनके पैर में मोटर पंप का विद्युत तार चिपका हुआ था।

भुईमाड़ थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए कुशमी भेजा गया। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटियां और तीन बेटे हैं। परिजनों ने प्रशासन से उचित मुआवजे और सहायता की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शॉर्ट सर्किट से मिनी ट्रक में आग

पेपर मिल से भिलाई जा रहा वाहन जलकर राख, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के करकटी गांव में एक मिनी ट्रक में आग लग गई। ट्रक में पेपर मिल अमलाई से लकड़ी का छिलका लोड किया गया था, जिसे भिलाई ले जाया जा रहा था। घटना रविवार सुबह की है।

रायपुर निवासी ड्राइवर अशोक सिंह ने बताया कि करकटी गांव के पास शॉर्ट सर्किट की वजह से इंजन में आग लगी थी। ड्राइवर ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुआ। उसने कूदकर अपनी जान बचाई।

स्थानीय लोगों ने डायल 100 को सूचना दी। खैरहा थाना प्रभारी दिलीप सिंह अपने दल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लकड़ी के छिलके की वजह से आग काबू में नहीं आ सकी।

धनपुरी से दमकल वाहन पहुंचने तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक वाहन जलकर राख हो चुका था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मदन एजेंसी पर नकली सामान बेचने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के मदन एजेंसी हार्डवेयर में नकली सामान बेचने के मामले में रविवार को दिल्ली कोर्ट से भेजी गई चार वकीलों की टीम ने छापेमारी की। यह कार्रवाई अपोलो कंपनी की शिकायत पर की गई। अपोलो कंपनी ने दिल्ली कोर्ट में शिकायत की थी कि मदन एजेंसी में उनके नाम पर नकली सामान बेचा जा रहा है। कोर्ट ने इस मामले में चार वकीलों की टीम गठित की। टीम ने शहडोल पहुंचकर पहले स्थानीय थाने में जानकारी दी। फिर पुलिस बल के साथ एजेंसी में पहुंची।

टीम ने जब्त किया नकली सामान: सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर टीम को पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई। जांच में टीन शीट और लोहे के रॉड जब्त किए गए हैं। दिल्ली कोर्ट ने टीम के एक सदस्य को नकली सामान जब्त करने का अधिकार दिया है।

कुंभ से लौट रहे श्रद्धालु की नाले में मिली लाश

हमीरपुर के युवक के रूप में हुई पहचान, पुलिस जांच में जुटी

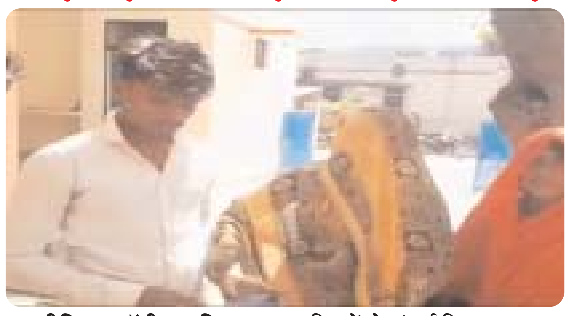

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट के मऊ थाना क्षेत्र में लालता रोड स्थित कृष्णा ढाबा के पास नाले में एक व्यक्ति का शव मिला। मृतक की पहचान हमीरपुर के जलालपुर थाना क्षेत्र के कोपरा निवासी जयकरण निषाद (40) के रूप में हुई।

शनिवार को ददरी निवासी कुंवर सिंह ने मऊ पुलिस को नाले में शव की सूचना दी। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया। मृतक के पास से मिले मोबाइल फोन से पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया।

परिजनों के मुताबिक जयकरण शुक्रवार शाम 5 बजे महाकुंभ में स्नान के लिए प्रयागराज गए थे। वह वापस नहीं लौटे। पुलिस से ही उन्हें मौत की खबर मिली।

मऊ थाना प्रभारी विनोद कुमार राय ने बताया कि रविवार दोपहर 2 बजे जिला मुख्यालय में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। अभी तक परिजनों की ओर से कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

युवक को 2 किमी तक घसीटा, मौत

कुंभ जा रहे वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, परिजनों ने की सड़क जाम

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर-शहडोल हाईवे पर रविवार तड़के 4 बजे छत्तीसगढ़ के एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे घसीटे गए युवक की मौत हो गई।

मृतक की पहचान अनूपपुर जिले के चचाई थाना क्षेत्र के अमलाई मोहाडे निवासी सुनील यादव के रूप में हुई। वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। घर लौटते समय अमलाई तिराहे पर यू-टर्न लेते वक्त छत्तीसगढ़ से आ रहे वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मारी।

चार पहिया वाहन सुनील को अपने बंपर में फंसाकर अमलाई तिराहे से शहडोल जिले के रेलवे साइडिंग तक करीब दो किलोमीटर तक घसीटता रहा। इस दौरान सुनील की मौत हो गई। वाहन चालक घटना स्थल से फरार हो गया।

प्रयागराज जा रहा था वाहन: चचाई थाना प्रभारी राकेश उईके ने बताया कि वाहन की तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों का अनुमान है कि यह वाहन प्रयागराज की ओर जा रहा था। पुलिस अभी वाहन की तलाश कर रही है। अमलाई थाना प्रभारी जेपी शर्मा के अनुसार मामले में चचाई पुलिस जांच कर रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। अधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ।

पुलिस ने 128 वारंटी गिरफ्तार किए

देर रात से सुबह 5 बजे तक 300 पुलिसकर्मियों ने की कॉम्बिंग गश्त, 133 बदमाशों की चेकिंग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में पुलिस ने शनिवार रात कॉम्बिंग गश्त शुरू की जो रविवार सुबह 5 बजे तक चली।

इस कार्रवाई में 300 से अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। पुलिस ने 128 वारंटी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इन सभी को जल्द ही कोर्ट में पेश किया जाएगा। टीम ने 73 निगरानी शुदा बदमाश और 60 गुंडा बदमाशों की भी जांच की।

अभियान के दौरान दो आबकारी एक्ट के मामले दर्ज किए गए। पुलिस ने अवैध शराब भी जब्त की। रात 11 बजे विशेष टीमों का गठन किया गया। इनमें जिले के राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी शामिल थे।

टीमों ने शहर और गांव के एटीएम व बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की। सुरक्षा उपकरणों और गार्ड्स की भी जांच हुई। रात में बिना मतलब घूमने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने यह ध्यान रखा कि परिवार के साथ आने-जाने वाले लोगों को कोई परेशानी न हो।

महाशिवरात्रि पर राजाधिराज की बारात

जबलपुर का बैंड और प्रयाग के भूत-पिशाच बनेंगे आकर्षण, 4 प्रहर में होगी महाआरती

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट में महाशिवरात्रि पर्व पर राजाधिराज मत्तगजेंद्रनाथ सरकार की बारात धूमधाम से निकलेगी। 26 फरवरी को निकलने वाली इस बारात की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

मत्तगजेंद्रनाथ एवं पर्णकुटी मंदिर सेवा ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीपदास महराज ने बताया कि बारात में जबलपुर का बैंड मुख्य आकर्षण होगा। प्रयाग से आने वाले भूत-पिशाच भी बारात की शोभा बढ़ाएंगे। हाथी, घोड़े और साधु-संत भी बारात में शामिल होंगे।

बारात का मार्ग और समय तय कर दिया गया है। दोपहर 3 बजे रामघाट से आरती-पूजन के बाद बारात निकलेगी। यह निर्मोही अखाड़ा, टैम्पो स्टैंड से जयपुरिया तिराहा होते हुए पुराना सीतापुर मार्ग और चौगलिया से होकर वापस रामघाट पहुंचेगी।

मंदिर में फूलों की भव्य सजावट की जाएगी। भजनों की प्रस्तुति होगी और भक्तों के लिए भोग प्रसाद की व्यवस्था की गई है।

मंदिर के पुजारी विपिन बिहारी महराज के अनुसार चार प्रहर में महाआरती होगी। पहली आरती शाम 7:30 बजे, दूसरी रात 11 बजे, तीसरी रात 1:30 बजे और चौथी भोर 4 बजे होगी। मंदिर में पूरी रात पूजन और अनुष्ठान चलेंगे।

बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि जयपुरिया तिराहे पर बारात का विशेष स्वागत किया जाएगा। हर वर्ष की तरह इस बार भी कई स्थानों पर भक्त बारात का स्वागत करेंगे। जगह-जगह आरती और फूलों की वर्षा से बारात का स्वागत होगा।

सतना जंक्शन पर कुंभ यात्रियों की भीड़, प्लेटफॉर्म पर भगदड़ रोकने के लिए ट्रेन आने के 15 मिनट पहले दी एंट्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जंक्शन पर शनिवार रात साढ़े 10 बजे प्रयागराज कुंभ जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो गई। रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए तीर्थयात्रियों को स्टेशन परिसर में ही रोक दिया। भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए रेलवे ने विशेष इंतजाम किए। कुंभ स्पेशल ट्रेन के आने से केवल 15 मिनट पहले ही यात्रियों को

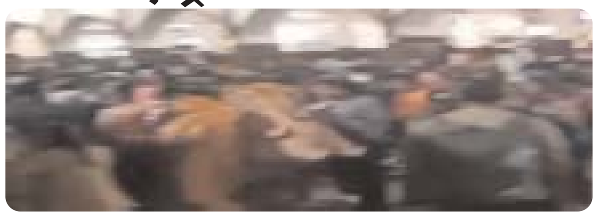

प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति दी गई। इससे अन्य ट्रेनों के यात्रियों को भी कोई असुविधा नहीं हुई।

यात्रियों को बैरिकेड्स के जरिए प्लेटफॉर्म भेजा गया: आरपीएफ और जीआरपी के जवान लगातार यात्रियों को ट्रेन की जानकारी देते रहे। साथ ही व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील करते रहे। कुंभ स्पेशल ट्रेन के आने की घोषणा के बाद बैरिकेड्स के जरिए यात्रियों को प्लेटफॉर्म नंबर 3 की तरफ भेजा गया।

कुंभ के लिए 4 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं: वीकेंड होने के कारण रेलवे ने सतना से होकर 4 कुंभ स्पेशल ट्रेनें चलाईं। इतनी ट्रेनों के चलने के बावजूद भी कुंभ यात्रियों की भीड़ कम नहीं हुई।

प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये प्रशिक्षण केन्द्र, 3 स्तरों पर प्रशिक्षण केन्द्रों की व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से प्रदेश में 3 स्तरों पर ड्रायविंग प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की जा रही है। यह प्रशिक्षण केन्द्र प्रादेशिक, संभागीय और जिला स्तर पर संचालित करने का निर्णय लिया गया है। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा इंदौर और छिंदवाड़ा में प्रादेशिक स्तर के प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। छतरपुर में प्रादेशिक स्तर का प्रशिक्षण केन्द्र की भारत सरकार द्वारा स्वीकृति मिल गयी है। इसके साथ ही सिंगरौली, धार, सतना, सीधी, रायसेन, रीवा, दमोह, देवास एवं विदिशा में जिला स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण कार्य जारी है। भोपाल, छतरपुर और बैतूल में स्वीकृत प्रादेशिक ड्रायविंग ट्रेनिंग सेंटर का निर्माण कार्य जारी है। प्रदेश में प्रतिवर्ष 78 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएँ वाहन चालक की गलती के कारण होती हैं।

सीधी में बिजली कर्मचारियों पर हमला, पडेनिया गांव में तीन लोगों ने की मारपीट, आरोपी बोले- जबरन घुसे घर में

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के पडेनिया गांव में रविवार को बिजली कंपनी के कर्मचारियों पर हमले का मामला सामने आया है।

जिला मुख्यालय से 4 किलोमीटर दूर स्थित गांव में यह घटना तब हुई। जब बिजली कंपनी की टीम नरेंद्र सिंह परिहार के घर पर काम करने पहुंची थी। यहां पास ही में अजय मिश्रा के घर में चोरी की बिजली जलाई जा रही थी। घटना में एक कर्मचारी के हाथ और पैर में चोटें आई हैं। पुलिस ने अजय मिश्रा, मंजू मिश्रा और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मामले में दो अलग-अलग कहानियां सामने आई हैं। अजय मिश्रा का कहना है कि बिजली

लाईनमैन उदयभान पटेल

कर्मचारी बिना सूचना के घर में घुस आए। इससे घर की बच्चियां डर गईं। उनके शोर मचाने पर कर्मचारी भागने लगे और खेत में गिरकर घायल हो गए।

दूसरी तरफ उदयभान पटेल का आरोप है कि बिजली कंपनी की टीम बिजली चोरी रोकने के लिए पहुंची थी। यहां चोरी की बिजली जलाई जा रही थी। विरोध करने पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

शिकायत पर केस दर्ज: थाना प्रभारी विवेक द्विवेदी ने बताया है कि थाना कोतवाली में उदयभान पटेल की शिकायत पर मारपीट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। वे प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

मैहर के हाल्टिंग पाइंट पर दी जा रही श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर कलेक्टर रानी बाटड के निर्देशन में मैहर जिले के झुकेही चेक पाइंट पर प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा दवाईयां, इलाज तथा खान-पान की सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। महाकुंभ मेला के अंतिम चरण में राजमार्ग से होकर प्रयागराज जाने वाले श्रृद्धालुओ की तादाद एक बार फिर बढ गई है। मैहर जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर रानी बाटड के निर्देशानुसार खेरवासानी, परस्वाही में कैंप लगाकर श्रृद्धालुओ की सुविधा के लिए भोजन, पानी और जलपान चिकित्सा प्रसाधन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यहां श्रृद्धालु जन इन व्यवस्थाओं का लाभ ले रहे हैं और प्रशासन को धन्यवाद दे रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।